● जयपुर, बुधवार 27 नवंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 99 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार
''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @ 3 अंतरराष्ट्रीय गीता प्रचारक गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज का मुख्यमंत्री...
पेज @ 4 हेरिटेज महापौर कुसुम यादव ने लॉन्च किया 'कौन बनेगा बाल...
पेज @ 8 संविधान की 75 वीं वर्षगांठ पर निकली 'संविधान पदयात्रा'...

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि जब एन. चंद्रबाबू नायडू और जगन मोहन रेड्डी जैसे नेता चुनाव हार जाते हैं तो वो कहते हैं कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हुई है, लेकिन जब वो ही इसके जरिये चुनाव जीत जाते हैं तो फिर कुछ नहीं बोलते हैं। तब ईवीएम में कोई खामी नजर नहीं आती है। याचिकाकर्ता ने सभी चुनाव बैलेट पेपर के जरिए करवाने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि 18 राजनीतिक दलों का समर्थन उन्हें हासिल है। चंद्रबाबू नायडू और जगन मोहन जैसे नेता भी कह चुके हैं कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी बैलट वोटिंग की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर चुका है।

नियुक्ति घोटाले में शांतनु को हाई कोर्ट से मिली जमानत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित नियुक्ति घोटाले में एक बड़ा मोड़ आया है। मंगलवार को हुगली के बर्खास्त तृणमूल नेता शांतनु बंद्योपाध्याय को कलकत्ता हाई कोर्ट से जमानत मिल गई। उन्हें ईडी ने इस घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष की एकल पीठ ने शांतनु को मंगलवार शर्तों के साथ जमानत देने का निर्देश दिया। हालांकि, ईडी के मामले में जमानत मिलने के बावजूद, मंगलवार को शांतनु को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई ने सोमवार को 'कालीघाट के काका' के नाम से चर्चित सुजयकृष्ण भद्र और शांतनु को अदालत में पेश करने के लिए याचिका दायर की थी, जिसे विशेष अदालत ने मंजूर कर लिया। माना जा रहा है कि सीबीआई दोनों को अपनी हिरासत में लेने की मांग कर सकती है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की तबियत बिगड़ी

चेन्नई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास की तबियत खराब होने पर उन्हें चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनकी हालत ठीक है। आरबीआई के प्रवक्ता ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि आरबीआई गवर्नर को एसिडिटी की शिकायत हुई, जिसके चलते उन्हें निगरानी के लिए चेन्नई स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब उनकी हालत ठीक है, अगले 2-3 घंटों में उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। चिंता की कोई बात नहीं है।

प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की तैयारियां तेज, 13 जनवरी को शुरू होगा आयोजन

प्रयागराज/एजेंसी।

पौष पूर्णिमा के दिन यानी 13 जनवरी 2025 को प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन किया जाएगा और इस दिन पहला शाही स्नान भी होगा और महाशिवरात्रि के दिन अंतिम शाही स्नान के साथ समापन भी हो जाएगा। महाकुंभ मेला प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी के तट पर किया जाएगा। महाकुंभ 2025 को भव्य और दिव्य बनाने के लिए प्रयासरत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 नवंबर को स्वयं यहां चल रही तैयारियों का जायजा लेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री महाकुंभ के लिए 238 करोड़ से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण भी करेंगे। इन परियोजनाओं

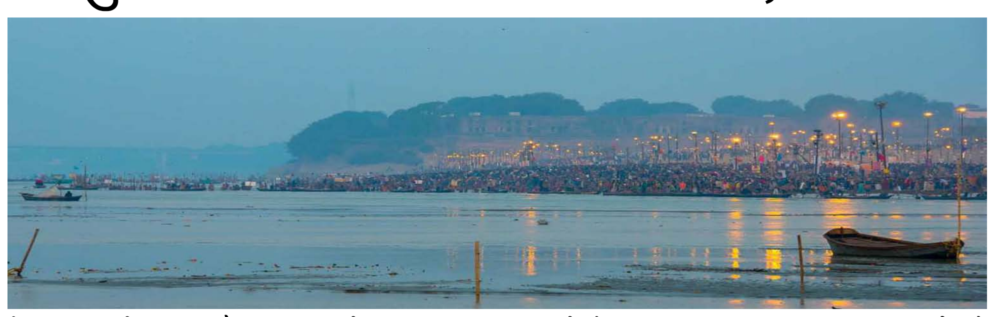

में महाकुम्भ को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने वाले विभिन्न उपकरणों के साथ-साथ नगर निगम में नवनिर्मित कंट्रोल रूम का अनावरण भी शामिल है।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री स्वच्छाग्रहियों एवं सफाईकर्मियों को यूनिफॉर्म किट तथा नाविकों को लाइफ जैकेट समेत विभिन्न योजनाओं से भी लाभान्वित करेंगे। इससे पूर्व सीएम योगी विभिन्न धार्मिक स्थलों में चल रहे विकास कार्यों का जायजा भी लेंगे। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार महाकुंभ को स्वच्छ और सुरक्षित महाकुंभ के तौर पर प्रस्तुत करने पर सर्वाधिक जोर दे रही है। इसी वजह से यहां विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिसे सीएम स्वयं हरी झंडी दिखाएंगे। प्रयागराज दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसमें सबसे पहले सीएम नगर निगम कार्यालय में स्वच्छता परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए नवनिर्मित कंट्रोल रूम का अनावरण करेंगे। कंट्रोल रूम के साथ ही अन्य परियोजनाओं और सफाई उपकरणों को भी सीएम द्वारा लोकार्पित किया जाएगा। इन सभी परियोजनाओं की लागत करीब 14 करोड़ रुपए होगी।

इसके अतिरिक्त सीएम योगी परेड मेला क्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में स्वच्छता उपकरणों (टिपर, कॉम्पैक्टर आदि) का भी अनावरण करेंगे, जिसकी कुल लागत 50.38 करोड़ रुपए है। यही नहीं, सीएम 173 करोड़ रुपए के फायर, जल पुलिस, रेडियो, यातायात के उपकरणों का भी अनावरण करेंगे। इस तरह सीएम योगी महाकुंभ 2025 में सुरक्षा, स्वच्छाग्रहियों एवं गंगा सेवा दूतों के लिए 237.38 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इन उपकरणों के माध्यम से महाकुंभ को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। एक तरफ सीएम योगी स्वच्छता और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं का अनावरण करेंगे तो दूसरी ओर वह महाकुंभ को स्वच्छ बनाने में जुटे स्वच्छाग्रहियों व सफाई कर्मियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी करेंगे। इसके तहत सीएम योगी करीब 20 हजार स्वच्छाग्रहियों व सफाई मित्रों को यूनिफॉर्म किट तथा नाविकों को लाइफ जैकेट प्रदान करेंगे। इसी तरह, स्वच्छ कुंभ कोष के अंतर्गत 15 हजार से अधिक कर्मियों (10 हजार कार्मिक, 3 हजार नविक और अन्य) को 5 से अधिक योजनाओं से भी जोडने् का काम करेंगे। इन योजनाओं के तहत कर्मियों को बीमा प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर सीएम योगी समेत गणमान्य अतिथि स्वच्छ कुम्भ एवं स्वच्छ प्रयागराज की परिकल्पना की शपथ भी लेंगे।

संविधान दिवस पर राष्ट्रपति ने देशवासियों को किया संबोधित

भारतीय संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय संविधान को जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज बताते हुए आज कहा कि इसके माध्यम से हमने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से जुड़े कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं। राष्ट्रपति मुर्मु संविधान को अंगीकृत करने की 75वीं वर्षगांठ के वर्ष भर चलने वाले समारोह की शुरूआत करने के लिए संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में ने मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने देशवासियों से अपने आचरण में संवैधानिक आदर्शों को शामिल करने, मौलिक कर्तव्यों का पालन करने और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। हमारे दूरदर्शी संविधान निमार्ताओं ने बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुसार नए विचारों को अपनाने की व्यवस्था प्रदान की थी। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से जुड़े कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं। एक नई सोच के साथ हम विश्व समुदाय में भारत को नई पहचान दिला रहे हैं। हमारे संविधान निमार्ताओं ने भारत को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया था। आज हमारा देश एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ विश्व बंधु के रूप में भी अपनी भूमिका बखूबी निभा रहा है।

संविधान हमारे लोकतांत्रिक गणतंत्र की मजबूत आधारशिला

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान हमारे लोकतांत्रिक गणतंत्र की मजबूत आधारशिला है। हमारा संविधान हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत गरिमा सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर सभी देशवासियों ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया। अगले वर्ष 26 जनवरी को हम अपने गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। उन्होंने कहा कि एक अर्थ में भारत का संविधान कुछ महानतम लोगों द्वारा लगभग तीन वर्षों के विचार-विमर्श का परिणाम था लेकिन सही अर्थों में यह हमारे लंबे स्वतंत्रता संग्राम का परिणाम था। उस अतुलनीय राष्ट्रीय आंदोलन के आदर्शों को संविधान में शामिल किया गया। उन आदर्शों को संविधान की प्रस्तावना में संक्षेप में शामिल किया गया है। वे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता हैं। इन आदर्शों ने सदियों से भारत को परिभाषित किया है।

लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए मिलजुल कर काम करें

उन्होंने कहा कि संविधान की भावना के अनुसार कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका का मिलकर यह दायित्व है कि वे सामान्य लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए मिलजुल कर काम करें। उन्होंने कहा कि संसद द्वारा पारित अनेक अधिनियमों से लोगों की आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर कमजोर वर्गों के विकास के लिए अनेक कदम उठाए हैं। ऐसे निर्णयों से लोगों के जीवन में सुधार हुआ है और उन्हें विकास के नए अवसर मिल रहे हैं।

कोहरे के चलते थमे ट्रेनों के चक्के! 30 से ज्यादा गाडियां रद्द

नईदिल्ली/एजेंसी

सर्दियों की शुरुआत होते ही उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में कोहरा छाने लगाता है. जिसका सबसे ज्यादा असर ट्रेनों पर देखने को मिलता है. क्योंकि कोहरे के चलते रेलवे को हर दिन तमाम ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ता है. यही नहीं जिन ट्रेनों का संचालन होता वह ट्रेनें भी अपने गंतव्य तक कई-कई घंटों की देरी से पहुंचती है.

रेलवे को कोहरे के चलते कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है. यही नहीं रेलवे ने आज कई ट्रेनों के संचालन के समय में भी बदलाव किया है जबकि कुछ ट्रेनों को दूसरे रूट पर डायवर्ट किया गया है. ऐसे में अगर आप भी ट्रेन से यात्रा करने जा रहे हैं तो सबसे पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस चेक कर लें. उसके बाद ही घर से स्टेशन के लिए निकलें.

बता दें कि कोहरे का सबसे ज्यादा असर रेलवे के 18 में से चार जोन में देखने को मिल रहा है. इनमें नॉर्दर्न जॉन भी शामिल हो जो दिल्ली, लखनऊ और मुरादाबाद को कवर करती है. कोहरे के चलते कई ट्रेनों की स्पीड भी कम की गई है. इसमें कई ऐसी ट्रेनें भी शामिल है.

1.गाड़ी संख्या- 12536, रायपुर-लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस को 26 और 29 नवंबर को कैंसिल किया गया है.

2. गाड़ी संख्या- 22867, दुर्ग-निजामुद्दीन एक्सप्रेस को भी 26 और 29 नवंबर को कैंसिल किया गया है.

3. गाड़ी संख्या- 22868, निजामुद्दीन-दुर्ग एक्सप्रेस को 27 और 30 नवंबर को रद्द किया गया है.

4. ट्रेन नंबर- 05755, चिरमिरी-अनुपपुर पैसेंजर स्पेशल ट्रेन 26, 28 और 30 नवंबर को रद्द रहेगी.

5. गाड़ी संख्या- 06617, कटनी-चिरमिरी मेमू स्पेशल को 23 और 30 नवंबर को कैंसिल किया गया है.

6. ट्रेन नंबर- 06618, चिरमिरी-कटनी मेमू स्पेशल 24 नवंबर से 01 दिसंब के बीच रद्द रहेगी.

दिल्ली हाई कोर्ट ने आतंकी मॉड्यूल एक्यूआईएस की जांच की समय सीमा दो दिसंबर तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस रेखा पल्ली की अध्यक्षता वाली बेंच ने आतंकी संगठन अल कायदा से जुड़े आतंकी मॉड्यूल (एक्यूआईएस) की जांच के लिए समय सीमा 2 दिसंबर तक बढ़ा दी है। हाई कोर्ट ने 19 नवंबर को एक्यूआईएस की जांच के लिए और समय दिए जाने से इनकार करने के पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की याचिका पर इस मामले के 11 आरोपितों को नोटिस जारी किया है। दरअसल, इस मामले में जांच के लिए 90 दिन का समय 19 नवंबर को पूरा हो रहा था। दिल्ली पुलिस ने जांच पूरी न होने का हवाला देते हुए पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दाखिल कर जांच के लिए और समय देने की मांग की थी लेकिन पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को और समय देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने हाई कोर्ट का रुख किया था।

झारखंड सहित 17 ठिकानों पर दी थी दबिश

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अगस्त में झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की पुलिस के साथ मिलकर 17 ठिकानों पर दबिश डालकर एक संयुक्त अभियान के तहत इन आरोपितों को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक इस आतंकी मॉड्यूल का नेतृत्व रांची का रहने वाला डॉ. इश्तियाक कर रहा था। इसके अलावा एनामुल अंसारी, शाहबाज अंसारी, अल्ताफ अंसारी, हसन अंसारी, अर्शद खान, उमर फारुक, मोहम्मद रिजवान, मोतिउर रहमान, रहमतुल्लाह और फैजान अहमद को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक झारखंड के निवासी हसन अंसारी, एनामुल अंसारी, अल्ताफ अंसारी, अरशद खान, उमर फारुक और शाहबाज अंसारी कुछ दिनों से राजस्थान के भिवाड़ी में हथियार चलाने की ट्रेनिंग ले रहे थे।

केन्द्र ने राज्यों में आपदा न्यूनीकरण परियोजनाओं के लिए 1115 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्र सरकार ने विभिन्न राज्यों के लिए आपदा न्यूनीकरण और क्षमता निर्माण परियोजनाओं के लिए 1115.67 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति की बैठक में इस राशि को मंजूरी दी गयी।

गृह मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष की सदस्यता वाली समिति ने राष्ट्रीय आपदा शमन निधि से 15 राज्यों में भूस्खलन के जोखिम को कम करने के प्रस्ताव के वित्त पोषण और राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि के फंडिंग विंडो से तैयारी और क्षमता निर्माण के तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के प्रस्ताव पर विचार किया।

इन 15 राज्यों के लिए मिली मंजूरी

उच्चस्तरीय समिति ने 15 राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 1000 करोड़ रुपये की कुल लागत से राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण परियोजना को मंजूरी दी है। समिति ने उत्तराखंड के लिए 139 करोड़ रुपये, हिमाचल प्रदेश के लिए 139 करोड़ रुपये, पूर्वोत्तर के 8 राज्यों के लिए 378 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र के लिए 100 करोड़ रुपये, कर्नाटक के लिए 72 करोड़ रुपये, केरल के लिए 72 करोड़ रुपए, तमिलनाडु के लिए 50 करोड़ और पश्चिम बंगाल के लिए 50 करोड़ रुपए को मंजूरी दी।

रूस यात्रा रक्षा मंत्री 8-10 दिसंबर को रूस यात्रा पर, मॉस्को और कैलिनिनग्राद का दौरा करेंगे

जंगी जहाज आईएनएस 'तुशील' को नौसेना में शामिल करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 8-10 दिसंबर को रूस यात्रा पर जाएंगे। मॉस्को और कैलिनिनग्राद का दौरा करके 9 दिसंबर को गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तुशील को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल करेंगे। यह युद्धपोत भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे चार फ्रिगेट में से पहला होगा। इसके शामिल होने से इंडो-पैसिफिक में उभरती रणनीतिक चुनौतियों के बीच इससे भारत की नौसैनिक शक्ति को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। राजनाथ सिंह इस दौरान अपने रूसी समकक्ष एंड्री बेलौसोव के साथ बातचीत करेंगे।

भारत ने रूस से चार गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट को लेकर 2016 में डील की थी। पहले दो फ्रिगेट की सीधी खरीद के लिए 1 बिलियन डॉलर का अनुबंध अंतिम रूप दिया गया था। इसके बाद नवंबर, 2018 में भारतीय साझेदारी के माध्यम से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने शेष दो जहाजों को घरेलू स्तर पर बनाने के लिए सामग्री, डिजाइन और तकनीकी सहायता के लिए रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ 500 मिलियन डॉलर का सौदा किया था। भारतीय रक्षा मंत्रालय और जीएसएल के बीच औपचारिक अनुबंध जनवरी, 2019 में हस्ताक्षरित किया गया था। अनुबंध के मुताबिक रूस दो फ्रिगेट आईएनएस तुशील और आईएनएस तमाला की आपूर्ति करेगा, जबकि अन्य दो का निर्माण रूस के तकनीकी सहयोग से भारत में किया जाएगा।

● इंडो-पैसिफिक में उभरती रणनीतिक चुनौतियों के बीच भारतीय नौसेना को बढ़ावा मिलेगा

9 दिसंबर को भारतीय नौसेना में होगा शामिल

आईएनएस तुशील तलवार क्लास का स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है। इसे प्रोजेक्ट 11356 के नाम से भी जाना जाता है। इसे भारतीय नौसेना के लिए रूस ने डिजाइन और निर्मित किया है। तलवार क्लास के गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट का इस्तेमाल रूसी तटरक्षक बल करता है। तुशील सहित सभी चार फ्रिगेट में यूक्रेनी की कंपनी जोर्या-मैशप्रोक्ट के इंजन लगाए गए हैं। जीएसएल के मुताबिक आईएनएस तुशील को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 दिसंबर को भारतीय नौसेना में शामिल करेंगे। यह युद्धपोत भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे चार फ्रिगेट में से पहला होगा।

हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम

जंगी जहाज तुशील को दुश्मन के सतही जहाजों और पनडुब्बियों से निपटने के लिए हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम किया गया है। इस प्रकार के फ्रिगेट 100 मिमी ए-190 तोपखाने, मिसाइल और विमान-रोधी प्रणालियों, टारपीडो आयुध से लैस हैं। पनडुब्बी रोधी हेलीकॉप्टर उन पर आधारित हो सकते हैं। आईएनएस तुशील को भूरे और नीले पानी में पनडुब्बियों और युद्धपोतों से लड़ने और स्वतंत्र रूप से हवाई हमलों को नाकाम करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका डिजाइन और हथियार भारतीय नौसेना को बढ़ी हुई परिचालन क्षमताएं प्रदान करेंगे, जिससे कई तरह के खतरों का प्रभावी ढंग से जवाब दिया जा सकेगा।

राज्य सभा की छह सीटों के लिये उपचुनाव 20 दिसंबर को

एजेंसी

● तीन दिसंबर को जारी होगी अधिसूचना
● 10 तक दाखिल किये जा सकेंगे नामांकन

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने राज्य सभा की छह रिक्त सीटों के लिये उपचुनाव 20 दिसंबर को कराने की घोषणा की है और इसके लिए अधिसूचना तीन दिसंबर को जारी की जायेगी। आयोग की ओर से मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें आन्ध्र प्रदेश से तीन सीटें, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा से एक-एक सीट के चुनाव कराये जाने हैं।

चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, इन छह सीटों पर उपचुनाव के लिये अधिसूचना आगामी तीन दिसंबर को जारी की जाएगी और उसी के साथ नामांकन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

नामांकन 10 दिसंबर तक दाखिल किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 11 दिसंबर को की जाएगी और 13 दिसंबर तक वापस लिये जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर 20 दिसंबर को सुबह नौ से शाम चार बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतगणना उसी दिन, पांच बजे करायी जाएगी। उप-चुनाव की पूरी प्रक्रिया 24 दिसंबर तक संपन्न हो जाएगी।

उच्च शिक्षा की परंपरा और प्रयोग

गिरीश्वर मिश्रभारत में उच्च शिक्षा का बड़ा समृद्ध प्राचीन इतिहास है जहां नालंदा, विक्रमशिला, ओदंतपुरी और तक्षशिला आदि कई विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की शृंखला थी, जहां अनेक विषयों का अध्यापन और अनुसंधान किया जाता था। ये सभी संस्थान समाज द्वारा पोषित किंतु व्यवस्था की दृष्टि से स्वायत्त थे। यहां के प्राध्यापक अपने विषयों के प्रामाणिक विद्वान थे और उनकी उपलब्ध कृतियां उनकी प्रतिभा और बुद्धि का कायल बनाती हैं। वैदिक ज्ञान परंपरा से जो धारा प्रवाहित हुई वह काल क्रम में ज्ञान की साधना को दिशा देती रही। इसका प्रमाण ज्ञान का प्रतिमान स्वरूप अष्टाध्यायी, योगसूत्र, नाट्यशास्त्र, चरक संहिता, अर्थशास्त्र, कामसूत्र और सूर्य सिद्धांत आदि अनेकानेक ग्रंथों में उपलब्ध होता है। दर्शन, धर्मशास्त्र, गणित, धातु-विद्या, साहित्य और कला आदि के क्षेत्रों में प्रचुर सामग्री आज भी उपलब्ध है।

यह अध्ययन का क्षेत्र अत्यंत व्यापक था और वह कोरा सैद्धांतिक न होकर जीवन से जुड़ा होता था। वह शिक्षा विद्यार्थी को व्यवसायों के लिए तैयार करती थी। ज्ञान की यह परम्परा विकसित होती रही, उन पर चर्चा, खंडन-मंडन और टीका-टिप्पणी का भी अवसर बना रहा। यदि ज्ञान की शास्त्रीयता बहुलतामूलक थी तो बहुज्ञता शास्त्र जानने वाली की प्रवीणता या दक्षता की कसौटी थी। भर्तृहरि के शब्दों में 'सिर्फ अपनी ही ज्ञान-परंपरा का ज्ञान अपर्याप्त होता है'। विचारों और सिद्धांतों में पर्याप्त विविधता थी और ज्ञान की प्रामाणिकता उसके प्रयोग से जांची-परखी जाती रही। कुशलता और दक्षता को बढ़ावा दिया जाना प्रमुख सरोकार था। ज्ञान-विज्ञान के अर्जन को अवलोकन तथा तर्क की सहायता से आगे बढ़ाने का प्रयास ज्ञान की यात्रा की मुख्य विशेषता के रूप में उभरती है। सिद्धांतों को यथार्थ की ओर उन्मुख एक आलोचक दृष्टि द्वारा सतत प्रमाणित किया जाता रहा। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य जीवन के क्लेशों से पार पाना था। विद्यार्जन का कार्य सभी तरह की समस्याओं का समाधान करने वाले उपाय के रूप में स्थापित हुआ। मनुष्य का सर्वतोमुखी विकास इस शिक्षा का उद्देश्य था। शिक्षा मूल्य-सृजनका माध्यम थी। भारतीय परंपरा में शिक्षा को सामाजिक जीवन से जोड़े रखने को प्राथमिकता दी गई थी। शिक्षा और दीक्षा के द्वारा शास्त्र तथा लोक दोनों को पुष्ट किया जाता रहा और दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते रहे। शिक्षा की चर्या कैसे हो इस पर भी वैदिक काल से ही चिंतन-मनन होता रहा। ज्ञान को आत्मसात करना और दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाना ही आचार्य और उपाध्याय का मुख्य कार्य होता था। अध्यापक का प्रवचन यदि 'संधान' था तो गुरु (पूर्वपक्ष) तथा शिष्य (उत्तरपक्ष) के बीच विद्याविषयक सम्बन्ध को 'संधि' कहा गया।

ज्ञान की सामाजिक भूमिका थी तो ज्ञानसृजन भी समाज की आशा-आकांक्षा के प्रति संवेदनशील था। अपने व्यापक अर्थ में दोनों का संचालन 'धर्म' की परिधि में करने पर जोर दिया गया। इसे जीवन-विस्तार और समाज में स्थापित किया जाता रहा। विभिन्न शास्त्रों, विद्याओं और कला-कौशलों का विस्तार आज भी विभिन्न ग्रंथों या टेक्स्ट में उपलब्ध है जो यह बताने के लिए पर्याप्त आधार प्रदान करता है कि भौतिक जगत, सामाजिक व्यवहार और आध्यात्मिक अनुभव सभी दृष्टियों से ज्ञान के उद्घाटन का प्रयास मुख्य है। इन सबके केंद्र में मनुष्य समेत समस्त प्राणिजगत के साथ प्रकृति की रक्षा और संवर्धन का प्रयास है। इस सोच में शिक्षा मानव पूंजी में स्थायी निवेश है जिसका उद्देश्य दायित्वपूर्ण मनुष्य निर्मित करना है।यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि आधुनिक भारत में उच्च शिक्षा का वर्तमान रूप अंग्रेज़ी औपनिवेशिक काल की देन है जिसे योजनाबद्ध रूप में युक्तिपूर्वक प्रस्तुत और स्थापित किया गया। यह शिक्षा को देश की ज्ञान-परम्परा से काट कर और उसे अप्रासंगिक बना कर लागू की गई। अपरिचित विदेशी भाषा के माध्यम से पढ़ाई की व्यवस्था ने शिक्षा तक पहुँच को न केवल सीमित कर दिया बल्कि अंग्रेज़ी तहजीब और तौर तरीकों को मानक के रूप में स्थापित किया। संस्कृति और ज्ञान का नया आदर्श अनिवार्य रूप से श्रेष्ठ बना कर प्रचारित किया गया। उस अंग्रेजी परस्त भारत से परे वाला शेष भारत बड़ी आसानी से हाशिए पर पहुंचा दिया गया। अपने सामान्य रूप में यह शिक्षा ज्ञान के निर्माण और प्रसार की जगह सरकारी काम-काज के लिए जरूरी मुलाजिमों को तैयार करने लायक पढ़ाई पर ही केंद्रित रही। इस तरह वह एक तरह की बाबूगिरी को तरजीह देने वाली ज्ञानप्रणाली थी और उसका विस्तार उसी रूप में किया जाता रहा। इस शिक्षा में विद्यार्थी का एकांगी विकास हो रहा था। उसकी विषयवस्तु बाहर से उधार ली गई थी और शिक्षा के नाम पर उसी के अनुकरण तथा पुनरुत्पादन का काम जोर-शोर से शुरू हुआ जो बाद में भी चलता रहा। पश्चिम को ही मानक माना गया और उसकी मान्यता पाने पर ज़ोर दिया जाता रहा।

ऐसे में नवोन्मेष, सृजनात्मक पहल, मौलिकता और विचार-स्वातंर्त्य जैसे मानदंडों में देश पिछड़ता गया। शिक्षा की प्रक्रिया अध्यापन और परीक्षा के ढांचा का प्रावधान इसी के अनुरूप किया गया। ज्ञान-सृजन और प्रसार की दृष्टि से अंग्रेजों ने शुरू की और उनके वर्चस्व के प्रभाव में स्वतंत्र भारत में भी क़ायम रही। यह उच्च शिक्षा ज्ञान के क्षेत्र में भारत को सदा के लिए दोयम बनाये रखने का पक्का नुस्खा बन गया। यह मॉडल ज्ञान की प्रक्रिया का भारतीय आदर्श बना और अभी तक जारी है। लगातार अभ्यास से दूसरे विकल्पों के प्रति हम उदासीन और तटस्थ होते गए। ज्ञान, कौशल और तकनीक के क्षेत्रों में परजीवी हो जाना स्वावलम्बन और विकास के लक्ष्य के विरुद्ध जाता है। उद्यमिता और सामाजिक प्रासंगिकता की दृष्टि से भी यह मॉडल अधिक उपयोगी नहीं रहा। हम स्थानीय प्रश्नों को भी दरकिनार रखे और वैश्विक संदर्भ के प्रति भी आवश्यकतानुसार संवेदनशील नहीं हो सके। आज जब उदारीकरण, वैश्वीकरण और अंतरराष्ट्रीयकरण का दौर आ चुका है तथा 'डिजिटल' और 'स्मार्ट' विश्वविद्यालयों की बात हो रही है हमारे देश के अनेक विश्वविद्यालय सोचझविचार और प्रणाली की दृष्टि से स्तब्ध और किंकर्तव्यविमूढ़ बने हुए हैं। भारतीय समाज का बड़ा हिस्सा इस अर्थ में शिक्षा की दृष्टि से निरपेक्ष रहता है कि वह जो है उसके साथ अपना समायोजन बैठाने लगता है और शिक्षा यथास्थितिवाद का शिकार हो जाती है। सैद्धांतिक रूप से विश्वविद्यालय स्वायत्त संस्था होते हैं इसलिए सब अपने ढंग से कार्य करते हैं जिससे अच्छे बुरे हर तरह की पहल की छूट होती है। राज्य सरकार की अपनी मनमानी चलती है। वे अपने विवेक से काम करती है।

कृतज्ञता-संस्कृति से संवरती है जिंदगी

ललित गर्ग

हर साल नवंबर के चौथे गुरुवार को अमेरिका समेत कई देशों में थैंक्सगिविंग डे यानी धन्यवाद दिवस, कृतज्ञता दिवस मनाया जाता है। थैंक्सगिविंग आधिकारिक तौर पर छुट्टियों के मौसम की शुरुआत का प्रतीक होता है, जिसे जर्मनी, ब्राजील, कनाडा, जापान और अन्य देशों में भी मनाया जाता है। अमेरिका में इस दिन को क्रिसमस की ही तरह धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे का शुक्रिया अदा करते हुए आने वाले साल के लिए सुखद, स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल होने की दुआ करते हैं। यह दिन उत्तरी अमेरिका का एक पारंपरिक त्योहार है, जो एक तरह का फसल पर्व है। अधिकांश धर्मों में फसल कटने के बाद धन्यवाद की प्रार्थना और विशेष धन्यवाद समारोह आम बात है। इस दिन को मनाने का मकसद किसी अपने या अनजान व्यक्ति द्वारा की गई किसी भी तरह की मदद या सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा करना है। इस दिन आप खास अंदाज में उन्हें शुक्रिया कह सकते हैं। आमतौर पर लोग इस दिन को अपने परिवार और दोस्तों के साथ सेलिब्रेट करते हुए अपने घरों में पारंपरिक भोजन का एक साथ आनंद लेते हैं। थैंक्सगिविंग डे को मनाने की शुरुआत पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी रूसवेल्ट द्वारा साल 1939 में की गई थी, जिसे बाद में साल 1941 में अमेरिकी कांग्रेस ने मान्यता दी थी।

कृतज्ञता जरूरी है। सभी धर्मों में कृतज्ञता का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कृतज्ञता धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार करती है। सिसरो से लेकर बुद्ध तक और अन्य कई दार्शनिक व आध्यात्मिक शिक्षकों ने भी कृतज्ञता को भरपूर बांटा है और उससे प्राप्त खुशी को उत्सव की तरह मनाया है। दुनिया के सभी बड़े धर्म हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध मानते हैं कि किसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना एक भावनात्मक व्यवहार है और अंत में इसका अच्छा प्रतिफल प्राप्त होता है। बड़े-बड़े पादरी और पंडितों ने इस विषय को लेकर बहुत-सा ज्ञान बांटा है, लेकिन आज तक इन विद्वानों ने इसे विज्ञान का रूप नहीं दिया है। जबकि कृतज्ञता, धन्यवाद एवं शुक्रिया का बड़ा वैज्ञानिक महत्व भी है। परोपकार एवं उपकार के प्रति आभार व्यक्त करना, कृतज्ञता एवं धन्यवाद ज्ञापित करना मानवीय मूल्य है। भले ही कृतज्ञता के पास शब्द नहीं होते, किन्तु साथ ही कृतज्ञता इतनी कृतघ्न भी नहीं होती कि बिना कुछ कहे ही रहा जाए। यदि कुछ भी न कहा जाए तो शायद हर भाव अव्यक्त ही रह जाए, इसीलिए 'आभार' मात्र औपचारिकता होते हुए भी कहीं गहराई में एक प्रयास भी है अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का, अपने को सुखी और प्रसन्न बनाने का। किसी

के लिए कुछ करके जो संतोष मिलता है उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। फिर वह कड़कती ठंड में किसी गरीब को एक प्याली चाय देना ही क्यों न हो और उसके मन में 'जो मिला बहुत मिला-शुक्रिया' के भाव हों तो जिंदगी बड़े सुकून से जी जा सकती है, काटनी नहीं पड़ती।

अमेरिकी लोग दुनियाभर में कई रोज़मर्रा की स्थितियों में 'धन्यवाद' कहने के लिए जाने जाते हैं। हालाँकि इनमें से कुछ 'धन्यवाद' निस्संदेह दिल से कहे जाते हैं, लेकिन कई नियमित भी होते हैं और बिना किसी भावना के कहे जाते हैं। यह देखते हुए कि अमेरिकी कितनी बार 'धन्यवाद' कहते हैं, यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि दुनिया भर की कई अन्य संस्कृतियों में, लोग शायद ही कभी 'धन्यवाद' कहते हैं। भारतीय संस्कृति में कृतज्ञता को बहुत बड़ा गुण माना जाता है। भारतीय संस्कृति में बड़ों और गुरुओं का सम्मान करने पर ज़ोर दिया जाता है। महाभारत में कहा गया है कि उपकार को न याद रखने वाले कृतघ्न व्यक्ति का उद्धार नहीं होता। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए, खुशी को अपनाना चाहिए क्योंकि खुशी और कृतज्ञता एक-दूसरे को बढ़ाते और मज़बूत करते हैं। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए ध्यान, सकारात्मक चिंतन और कृतज्ञता के अभ्यास को अपनाने की बात कही गयी है। इस भावना को बढ़ाने के लिए रिश्तों, अनुभवों और जुड़ाव के क्षणों को महत्व देना चाहिए। कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के लिए, अपने कार्यों, विचारों एवं व्यवहारों का प्रभाव दूसरों पर भी पड़ता है, इस बात को समझने की अपेक्षा है।

हर व्यक्ति जितना अपने दुःखों से पीड़ित नहीं है, उससे ज्यादा वह दूसरों के सुखों से पीड़ित है। इसीलिये वह दुखी होता जारहा है। उसकी संकीर्ण मानसिकता एवं छोटी सोच का ही परिणाम है कि वह दुखों का सृजन करता है। इसके बावजूद वह सोचता है कि ऐसा मेरे साथ ही क्यों हुआ या फिर दुनिया के सारे दर्द मेरे लिए ही क्यों बने हैं, जबकि अगर सोचा जाए तो महत्वपूर्ण यह नहीं होता कि आपके पास पीड़ाएं कितनी हैं, जरूरी यह होता है कि आप उस दर्द के साथ किस तरह खुश रह जाते हैं। इसलिए जो कुछ भी बचा है, उसे गले लगाएं बजाए कि खोए हुए का गम मनाने के। जब हमारी दिशाएं सकारात्मक होती है जो हम सृजनात्मक रच ही लेते हैं। हमें कृतज्ञ तो होना ही होगा, क्योंकि इसके बिना छोटी-छोटी तकलीफे भी पहाड़ जितनी बड़ी बन जाती है। एक जिंदगी जीता है, दूसरा उसे ढोता है। एक दुःख में भी सुख ढूंढ लाता है, दूसरा प्राप्त सुख को भी दुःख मान बैठता है। एक अतीत भविष्य से बंधकर भी वर्तमान को निर्माण की बुनियाद बनाता है, तो दूसरा अतीत और भविष्य में खोया रहकर वर्तमान को भी गंवा देता है। इसी सोच ने पश्चिमी देशों में धन्यवाद दिवस को बड़ी व्यापकता दी है।

महान् दार्शनिक संत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा भी है कि यह बड़ी विचित्र बात है कि सद्गुण आदमी प्रयत्न करने पर भी जल्दी नहीं सीख पाता और दुर्गुण बिना किसी प्रयत्न के ही सीख लेता है, वैसे ही अच्छे बोल और मृदुभाषिता आदमी प्रयास करने पर भी जल्दी से नहीं सीख पाता और गाली तथा अपशब्द बिना प्रयास के ही सीख लेता है। इस प्रवृत्ति को बदलकर ही सुख पाने के प्रयत्न सफल हो सकते हैं। सोच को बदलना होगा, जिस संकीर्ण एवं विकृत सोच के साथ रहने से मन और भावों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा हो, वृत्तियां कलुषित और उच्छृंखल हो रही हों, जीवनशैली में विकृति आ रही हो, उनका साथ छोड़ देना ही हितकर है। वाल्मीकि ने रामायण में भी इस बात का उल्लेख किया है कि परमात्मा ने जो कुछ तुमको दिया है, उसके लिए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करो। हालांकि इसका विज्ञान बस इस छोटे से वाक्य में समाहित है कि जितना आप देंगे, उससे कहीं अधिक यह आपके पास लौटकर आएगा, लेकिन इसे समझ पाना हर किसी के वश की बात नहीं है। 'कितना दें और क्यों' इस बात में बिल क्लिटन ने देने का गणित बेहतर ढंग से समझाया है।

औरों में दोष देखने की छिद्रान्वेषी मनोवृत्ति कृतज्ञता-संस्कृति की बड़ी बाधा है। लोग हमेशा इस ताक में रहते हैं कि कौन, कहां, किसने, कैसी गलती की। औरों को जल्द बताने की बेताबी उनमें देखी गई है, क्योंकि उनका अपना मानना है कि इस पहल में भरोसेमंद इंसान की पहचान यूं ही बनती है। यह भ्रामक सोच अनेक समस्याओं की जनक है। वास्तविकता यही है कि सुख प्राप्ति के लिए आदमी दुख के उत्पादन का कारखाना चला रहा है। अपने मिथ्या दृष्टिकोण के कारण वह दुख को जेनरेट कर रहा है। सुख को पाने की चाह है तो दृष्टिकोण को सम्यक बनाकर सुख प्राप्ति के अनुरूप कार्य करना होगा। हमारे पास दो रास्ते हैं या तो हम दीप हो जाएं, जो उसे दुगुना कर देता है, लेकिन इसके लिये कुछ सार्थक करना होता। धन से प्रेरित होकर नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से प्रेरित होकर। क्योंकि बड़े-बड़े धन के अम्बार और महंगे साज-ओ-सामान के बजाय सार्थक संकल्प एवं कृतज्ञता का भाव जीवन को अधिक सुख देते हैं, प्रसन्न बनाते हैं।

सोशल मीडिया पर अफसरी कितनी जायज?

प्रियंका सौरभ

सिविल सर्विसेज में सोशल मीडिया आचरण की उभरती चुनौतियां सचमुच परेशान करने वाली हैं। सोशल मीडिया सार्वजनिक दृश्यता को बढ़ाता है, जिससे अधिकारी द्वारा दिया गया हर बयान सार्वजनिक मूल्यांकन के अधीन हो जाता है, जिससे प्रशासन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने का जोखिम होता है। उदाहरण के लिए सोशल मीडिया पर केरल सरकार के कृषि विभाग के विशेष सचिव की हालिया टिप्पणियों की व्यापक आलोचना हुई, जिससे सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा विवेकपूर्ण ऑनलाइन आचरण की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित हुआ। "सेवा के सदस्य के लिए अनुचित" शब्द की व्याख्या की जा सकती है, जिससे उचित सोशल मीडिया व्यवहार के बारे में अस्पष्टता पैदा होती है। उद्योग निदेशक, 2024 (केरल) द्वारा एक व्हाट्स ऐप समूह का निर्माण विभाजनकारी माना गया, जिसमें दिशा-निर्देश निजी डिजिटल इंटरैक्शन के लिए सीमाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में असमर्थ थे। व्यापक अनुशासनात्मक प्रावधानों को चुनिंदा रूप से लागू किया जा सकता है, जिससे पक्षपात और लक्ष्यीकरण की धारणाएं बनती हैं। आचरण नियमों के असमान प्रवर्तन के परिणामस्वरूप अक्सर कनिष्ठ अधिकारियों को कड़ी जांच का सामना करना पड़ता है, जबकि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नरमी बरती जा सकती है। सोशल मीडिया पर संवेदनशील सरकारी डेटा या आंतरिक चर्चाएं साझा करना, यहां तक कि अनजाने में भी, गोपनीयता भंग कर सकता है और राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम पैदा कर सकता है। सोशल मीडिया गतिविधि के कारण अनुशासनात्मक कार्रवाई का डर अधिकारियों के मनोबल को प्रभावित कर सकता है, जिससे खुली बातचीत और नवाचार में बाधा आ सकती है। व्यक्तिगत अधिकारों के साथ प्रशासनिक अनुशासन को संतुलित करने के सकारात्मक पहलू। संतुलित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि अधिकारी अपने अधिकारों का सम्मान करते हुए जवाबदेह हों, व्यावसायिकता को बढ़ावा दें। पारदर्शी नियम जनता के विश्वास को मजबूत करते हैं, क्योंकि नागरिक अधिकारियों को नैतिक और

उचित दोनों मानकों का पालन करते हुए देखते हैं। यह निष्पक्ष प्रशासन के बारे में जनता की धारणा को मजबूत करता है। स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ, सिविल सेवक शासन के मामलों पर जनता से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। आईएएस अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक आउटरीच अभियान सेवा वितरण और नागरिक भागीदारी में सुधार कर सकते हैं। परिभाषित नियम अस्पष्टता को कम करते हैं, डिजिटल क्षेत्र में अधिकारियों के लिए एक स्पष्ट नैतिक ढांचा प्रदान करते हैं। सोशल मीडिया के उपयोग के लिए एक उदाहरणात्मक आचार संहिता अधिकारियों का मार्गदर्शन कर सकती है, जिससे गलत व्याख्या का जोखिम कम हो जाता है। निष्पक्ष नियम अधिकारियों को मनमानी कार्रवाई से बचाते हैं, जिससे उन्हें अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ संतुलित करने की अनुमति मिलती है। सुरक्षा को निर्दिष्ट करने वाले दिशानिर्देश व्यक्तिगत शिकायतों के आधार पर अनुशासनात्मक कार्रवाइयों के दुरुपयोग को रोकने में मदद करते हैं। व्यक्तिगत अधिकारों के साथ प्रशासनिक अनुशासन को संतुलित करने के नकारात्मक पहलू। अत्यधिक प्रतिबंध व्यक्तिगत अभिव्यक्ति में बाधा डाल सकते हैं, जिससे एक कठोर वातावरण बन सकता है जो खुलेपन को रोकता है। अधिकारी अनुशासनात्मक कार्रवाई के डर से लाभकारी जानकारी साझा करने से बच सकते हैं, जिससे पारदर्शिता कम हो सकती है। सोशल मीडिया पर पेशेवर और व्यक्तिगत आचरण के बीच अंतर करना मुश्किल है, जिससे अकसर भ्रम की स्थिति पैदा होती है। नियमों को राजनीतिक एजेंडे से प्रभावित होकर चुनिंदा तरीके से लागू किया जा सकता है, जिससे अधिकारी की स्वतंत्रता प्रभावित होती है। ऐसे मामले जहां अधिकारियों को चुनिंदा तरीके से अनुशासित किया जाता है, प्रवर्तन तंत्र की तटस्थता में विश्वास को कम करता है। सोशल मीडिया की निगरानी अधिकारियों के व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन कर सकती है, जिससे निगरानी के बारे में नैतिक सवाल उठते हैं। अनुशासन पर अत्यधिक जोर देने से मनोबल प्रभावित हो सकता है, जिससे अधिकारियों की जनता के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने की इच्छा सीमित हो सकती है। आईएएस अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया पर स्वीकार्य सामग्री और व्यवहार को रेखांकित करने वाले विशिष्ट नियम विकसित करें। नियम, 1968 में बदलाव किए जाने चाहिए, जिसमें सोशल मीडिया आचरण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों का अभाव है। 1968 के नियमों में "सेवा के सदस्य के लिए अनुचित" जैसे शब्दों को किसी भी तरह की मनमानी कार्रवाई को हटाने के लिए निष्पक्ष रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। सुनिश्चित करें कि रैंक या स्थिति की परवाह किए बिना अनुशासनात्मक कार्रवाई समान रूप से लागू की जाती है। अधिकारियों के गोपनीयता अधिकारों की रक्षा के लिए व्यक्तिगत सोशल मीडिया खातों की निगरानी पर सीमाएं निर्धारित करें। व्यक्तिगत और आधिकारिक खातों के बीच स्पष्ट सीमांकन अनावश्यक गोपनीयता उल्लंघनों से बचने में मदद कर सकता है। अधिकारियों का मार्गदर्शन करने के लिए सोशल मीडिया के नैतिक और जिम्मेदार उपयोग पर नियमित प्रशिक्षण आयोजित करें। सोशल मीडिया नैतिकता पर कार्यशालाओं से अधिकारियों को डिजिटल इंटरैक्शन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में शिक्षित किया जा सकता है। एक ऐसा प्लेटफार्म विकसित करें जहां अधिकारी अनुशासनात्मक कार्रवाई के खिलाफ अपील कर सकें, जिससे निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित हो सके। मिशन कर्मयोगी के पारदर्शी और जवाबदेह सिविल सेवा के दृष्टिकोण जैसे क्षमता निर्माण पहलों के साथ तालमेल बिठाते हुए, भारत को सिंगापुर के सार्वजनिक अधिकारियों के लिए आचार संहिता जैसी वैश्विक प्रथाओं से प्रेरित होकर सोशल मीडिया आचरण पर स्पष्ट दिशा-निर्देश अपनाने चाहिए। यह संतुलित दृष्टिकोण अनुशासन और व्यक्तिगत अधिकारों दोनों को मजबूत करेगा, डिजिटल युग के लिए एक लचीली सिविल सेवा का निर्माण करेगा और उन्हें भारत के स्टील फ्रेम के रूप में मजबूत करेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संभल को किसने किया आग और पत्थर के हवाले?

मनोज कुमार अग्रवाल

यूपी के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा चिंताजनक है। आपको पता है कि संभल की जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश स्थानीय अदालत ने दिया था। अदालत के आदेश पर रविवार को जामा मस्जिद में सर्वे शुरू होते ही लोग उग्र हो उठे। मस्जिद के बाहर भीड़ ने जमकर पथराव किया व पुलिसकर्मियों के वाहन जला दिए। उपद्रवियों को नियंत्रित करने को पुलिस को गोलियां चलानी पड़ी। आमने-सामने की फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई। कौन लोग हैं जो अदालत के आदेश पर अमल करने में बाधा उत्पन्न करना अपना अधिकार समझते हैं और सीधे पुलिस से टकराने के लिए पत्थरबाजी गोलीबारी आगजनी की तैयारी रखते हैं। संभल में पुलिस पर बरसाए गए सात ट्राली ईंट के टुकड़े चीख चीख कर कह रहे हैं कि देश के भीतर साजिश और तैयारी जारी है। आखिर ये सात ट्राली ईंट के टुकड़े करीब सात हज़ार पांच सौ ईंट कहाँ और क्यों जमा कर रखीं गयीं थीं?

रिपोर्ट्स के अनुसार पथराव में एसडीएम, सीओ, एसपी के पीआरओ समेत 30 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हैं। डेढ़ दर्जन उपद्रवियों को हिरासत में लिया है। संभल बाजार बंद है व अफवाहें रोकने के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। कमिश्नर व डीआइजी संभल में ही कैंप किए हुए हैं। कमिश्नर अनुसार नखासा क्षेत्र में भी पथराव हुआ। वहां से महिलाओं व कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु जैन ने 19 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने का दावा सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में पेश किया था। अदालत ने सर्वे कराने का आदेश दिया था। उस दिन वीडियोग्राफी के बाद टीम चली गई थी। दूसरे चरण का सर्वे करने रविवार सुबह सात बजे एडवोकेट कमिश्नर रमेश राघव एवं अधिवक्ता विष्णु जैन व अन्य मस्जिद में पहुंचे। क्षेत्र की नाकेबंदी कर एडवोकेट कमिश्नर डीएम और एसपी की मौजूदगी में मस्जिद की वीडियोग्राफी करा ही रहे थे कि बाहर भीड़ जुटने लगी। कुछ लोगों ने मस्जिद में घुसने का प्रयास किया। पुलिस के रोकने पर हालात बेकाबू हो गए। साढ़े आठ बजे भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिस बल प्रयोग कर खदेड़ने लगी तो फायरिंग कर दी। उपद्रवियों ने धार्मिक नारे लगाकर एक एसएचओ की कार व दो एसएचओ की मोटरसाइकिल समेत कई वाहन जला दिए। वहीं डीएम ने जिले में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इसके बाद पुलिस फोर्स और भीड़ आमने-सामने आ गई। रबर बुलेट, आंसू गैस के गोले छोड़ने पर भी हालात काबू में नहीं आए तब पुलिस ने भी फायरिंग की। उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार अनुसार पुलिस पत्थरबाजी करने वालों की पहचान कर रही है। आरोपितों की पहचान के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभी स्थिति नियंत्रण में है।

संभल हिंसा मामले में डीएम राजेंद्र पेंसिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जामा मस्जिद के सदर जफर अली का भ्रामक बयान आया. इसलिए हमें पीसी करनी पड़ी. उनके बयानों की डिटेलिंग हो रही है। एसपी बिश्नोई ने कहा कि जफर अली को

ना हिरासत में लिया गया. ना ही अरेस्ट किया गया है. केवल जो वार्ता उन्होंने की उसके बारे में बातें की गई। मामले में लगातार अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने के बयान सामने आ रहे हैं. अब जामा मस्जिद सदर के वकील जफर अहमद ने कहा कि पुलिस ने गाड़ियां जलाई थीं। एसडीएम ने जबरदस्ती हौद का पानी खुलवाया. जफर ने कहा कि, लोग समझे मंदिर में खुदाई हो रही है. इतना ही नहीं बल्कि जफर अहमद ने उपद्रव में मारे गए युवकों को शहीद तक कह डाला. साथ ही परिजनों के लिए मुआवजे की मांग की है. उनका आरोप है कि पूरा घटनाक्रम पुलिस प्रशासन का प्रायोजित प्रोग्राम था। संभल में मस्जिद के बाहर हुई हिंसा के मामले में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत समाजवादी पार्टी के सांसदों ने आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की है. जिसमें उन्होंने मामले की जांच की बात की है।

यूपी पुलिस ताबड़तोड़ एक्शन करती नजर आ रही है। जफर अली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संभल डीएम को रविवार को हुई हिंसा का जिम्मेदार बताया था. जफर अली को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। संभल जिले में हुई हिंसा के बाद से पुलिस ने अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया है और 2500 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. ड्रोन के फुटेज से उपद्रवियों की पहचान की जा रही है. इस बीच सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में हिंसा जानबूझकर भड़काई गई है. वहीं सपा के सांसद पर भी एफआईआर दर्ज की गई है. संभल के विधायक के बेटे पर भी दंगा भड़काने का आरोप लगा है।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद की सर्वे के दौरान हुई हिंसा में अबतक चार लोगों की मौत हो चुकी है. तीन मौत रविवार को हुई थी, जिनको रातोंरात पोस्टमार्टम के बाद दफना दिया गया. वहीं एक मौत सोमवार की सुबह हुई है. हिंसा मामले में चार एफआईआर दर्ज की गई है. हिंसा के दोषियों के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी. इलाके में हिंसा का असर भी देखने को मिल रहा है. शहर में एक-दो दुकाने ही बस खुली हुई हैं. एहतियात के तौर पर जिले में इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई है।

संभल जिले में भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है. संभल के आसपास के जिलों में भी सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है. बीते रविवार को मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई. मृतकों की पहचान नईम और बिलाल के रूप में की गई है. बरेली, अमरोहा, रामपुर और मुरादाबाद में भी पुलिस की तैनाती की गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य विपक्षी दल उत्पन्न हुई स्थिति के लिए सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं। मुस्लिम धर्म गुरू और नेता भी प्रदेश की सरकार पर ही निशाना साध रहे हैं। विपक्षी दलों के नेताओं को पता है कि पुलिस या प्रशासन जो कुछ कर रहा है वह न्यायालय के आदेश पर कर रहा है। इसका प्रदेश की सरकार का प्रत्यक्ष रूप से कोई लेना देना नहीं है। लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति के कारण उपद्रवियों को अप्रत्यक्ष समर्थन दिया जा रहा है।

आपको बता दें कि अदालत के आदेश को अदालत में ही चुनौती दी जानी चाहिए। सड़कों पर उतरना और पत्थरबाजी करना, पुलिस से दो-दो हाथ करना गलत है। जिन परिवारों के बच्चे नेताओं द्वारा भावनाएं भड़काए जाने के कारण अपना जीवन खो बैठे उन परिवारों की स्थिति का शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

देश संविधान द्वारा स्थापित कानून व्यवस्था के अन्तर्गत चल रहा है। यह बात सभी नेताओं सहित आम जन को समझनी होगी। अगर किसी को लगता है कि कुछ गलत है तो उसे न्यायालय में चुनौती देनी चाहिए न कि बवाल करना चाहिए। कानून को अपने हाथ लेने की प्रवृत्ति को रोकने का काम समाज व सरकार दोनों को मिलकर करना चाहिए। बवाल करना देशहित में नहीं।सबका साथ सबका विकास के थीम पर चलने वाली केंद्र व राज्य सरकार को भी अल्पसंख्यकों को भरोसा और विश्वास बनाए रखना भी जरूरी है। कहीं न कहीं प्रशासन की चूक रही कि उस ने एक संवेदनशील कार्रवाई से पहले पर्याप्त एहतियाती इंतजाम नहीं किए। मुस्लिम समुदाय के लोगों को आजादी के बाद से लगातार हमारे कुछ राजनीतिक रोटियां सेकने वाले दलों ने एक अविश्वास और असुरक्षा की भावना को विकसित कर उन्हें वोट बैंक के लिए तैयार किया है यही असुरक्षा की भावना उनके दिलों दिमाग पर हावी कर उन्हें सीधे पुलिस से टकराने के लिए भड़काने का काम किया जाता है। यदि सरकार पहले से एहतियात बरतती तो संभल में टकराव की स्थिति नहीं बनती।

सवाल उठता है क्या प्रशासन को सर्वे से पहले मस्जिद पक्ष को विश्वास में नही लेना चाहिए था? क्या कुछ लोग दंगा कर सरकार को मुस्लिम विरोधी बताने की साजिश रच रहे थे? कुछ राजनीतिक दल रोटियां सेकने के ईच्छुक हैं? इन सब सवालों का जवाब जांच का विषय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

संविधान दिवस पर महिलाओं के अधिकारों और स्वरोजगार पर बैठक का आयोजन

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखंड के किरी मोहल्ला में आज संविधान दिवस के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रभात संस्थान धौलपुर और युवा चेतना समिति बाड़ी धौलपुर द्वारा महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह आयोजन संविधान के महत्व और महिलाओं को दिए गए अधिकारों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया। बैठक में संविधान द्वारा महिलाओं को दिए गए विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी गई, जिनमें संपत्ति का अधिकार, शोषण के खिलाफ अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, और न्याय का अधिकार शामिल हैं। प्रभात संस्थान के निदेशक ने इन अधिकारों को समझाते हुए यह बताया कि संविधान ने महिलाओं को समाज में समानता और सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। युवा चेतना समिति बाड़ी धौलपुर के अध्यक्ष रामदास तरुण ने महिलाओं को स्वरोजगार के अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि महिलाएं स्वरोजगार के लिए बैंक से ऋण प्राप्त कर सकती हैं। और घर पर ही छोटे व्यवसाय की शुरुआत कर सकती हैं। इसके अलावा, रामदास तरुण ने महिलाओं को संगठन बनाने और समूह आधारित कार्य करने के फायदों के बारे में भी बताया, जिससे वे एक-दूसरे की मदद से अपना रोजगार बढ़ा सकती हैं। इस बैठक में राकेश कुमार, रामदास तरुण, राजेश और अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रेरित करना था, ताकि वे समाज में समान अवसरों का लाभ उठा सकें। और अपने जीवन को बेहतर बना सकें।

बीजेएसएस ने देवली- उनियारा में पत्रकारों से हुए दुर्व्यवहार को लेकर राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर की प्रमुख खबरः जिले के अग्रणी पत्रकार संगठन भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान बीजेएसएस ने देवली- उनियारा उपचुनाव के दौरान पत्रकारों के साथ हुए मारपीट और दुर्व्यवहार को लेकर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। यह ज्ञापन जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के माध्यम से राज्यपाल को भेजा गया। बीजेएसएस ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए संबंधित अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि उपचुनाव के दौरान देवली- उनियारा क्षेत्र में कुछ असामाजिक तत्वों ने पत्रकारों के साथ न केवल शारीरिक हमले किए, बल्कि उनके साथ बदसलूकी भी की, जो पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर हमला है।बीजेएसएस ने राज्यपाल से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की अपील की और भविष्य में पत्रकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर बीजेएसएस के जिलाध्यक्ष अनुराग मुद्गल, भानू शर्मा, सुनील जगरिया, हरवीर शर्मा, रमाकांत, सत्यप्रकाश, प्रिंस शर्मा, रिंकू उपाध्याय, राहुल शर्मा, रामसेवक राठौड़, रामदास तरुण, गिरीश शर्मा, अनिल दिवाकर समेत अन्य पत्रकार सदस्य उपस्थित रहे।

यह कदम पत्रकारों की सुरक्षा और उनके कार्यक्षेत्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संविधान दिवस पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर। आज संविधान दिवस के अवसर पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार शर्मा ने छात्राओं और स्टाफ को संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी को संविधान के मूल उद्देश्यों का पालन करने का आ''ान किया गया, साथ ही यह भी बताया गया कि संविधान ने हमें न केवल अधिकार दिए हैं, बल्कि कर्तव्यों को भी निर्धारित किया है। प्रधानाचार्य ने कहा कि हमें अपने कर्तव्यों को संविधान के दायरे में रहकर निभाना चाहिए और देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। संविधान के तहत भारत के हर नागरिक को जाति, धर्म, भाषा, और क्षेत्र के आधार पर समान अधिकार प्राप्त हैं। इस अवसर पर विद्यालय एसडीएमसी के सदस्य, युवा चेतन समिति के अध्यक्ष रामदास तरुण अपने विचार रखें, रोहित वर्मा, और पत्रकार भी उपस्थित रहे। वरिष्ठ शिक्षक बशारत अली खान ने संविधान के विभिन्न संशोधनों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के उपप्राचार्य साहब सिंह मीणा, सुरेश चंद, संजय मीणा, नरेंद्र मीणा, विनोद बिंदल, पिंकी शर्मा, अश्वनी भारद्वाज, योगेश पालीवाल, रतनलाल, अर्चना मित्तल, कीर्ति गर्ग, सुनीता मीणा, विष्णु पाराशर, धीरज शर्मा, मनीष यादव, हीरा जाट, मयंक शर्मा, राखी मीना, नीलम शर्मा, बीना शर्मा सहित अन्य स्टाफ सदस्य एवं 1800 के लगभग बच्चियों ने भाग लिया।

शैक्षणिक संस्थानों में गीता जयंती आयोजित करने सहित अन्य विषयों पर हुआ संवाद

अंतरराष्ट्रीय गीता प्रचारक गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज का मुख्यमंत्री आवास पर हुआ अभिनंदन

चमकता राजस्थान रघुनंदन पारीक श्रीनगर

जयपुर। जीओ गीता परिवार एवं सर्वमंगला सनातन धर्म फाउंडेशन की ओर से मानविकी पीठ सभागार में आयोजित ₹श्रीमद्भगवत गीता सनातन जय घोष₹ विषय पर व्याख्यान को संबोधित करने जयपुर पधारे अंतर्राष्ट्रीय संत महामंडलेश्वर गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने सर्वप्रथम जयपुर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में दर्शन आरती एवं ध्यान किया मंदिर महत्व परिवार द्वारा महाराज को भगवा दुपट्टा ओढ़ा कर गोविंद देव जी की छवि एवं प्रसाद भेंट किया गया। उल्लेखनीय है कि सनातन धर्मशास्त्र शिरोमणि श्रीमद्भगवत गीता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गीता जयंती एवं गीता महोत्सवो के माध्यम से हिंदुस्तान सहित यू एस, यूके, मॉरिशस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया व श्रीलंका समेत कई देशों में प्रचारित एवं प्रसारित करने का कार्य महाराज पिछले 50 वर्षों से कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री को महाराज ने आशीर्वाद स्वरुप श्रीमद् भागवत गीता भेंट की

जीओ गीता परिवार राजस्थान के प्रदेश सहसंयोजक एवं सर्वमंगलाय सनातन धर्म फाउंडेशन के संस्थापक योगाचार्य योगी मनीष ने बताया कि मंदिर दर्शन के पश्चात महाराज श्री की प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट हुई जिसमे गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने मुख्यमंत्री को गीता ज्ञान संस्थान कुरुक्षेत्र द्वारा प्रकाशित श्रीमद् भगवत गीता एवं बिहारी जी का प्रसाद भेंट किया। महाराज श्री ने जीओ गीता परिवार द्वारा आगामी गीता जयंती 11 दिसंबर को लगभग 5 करोड़ जन की सहभागिता के के लक्ष्य के साथ किए गए वैश्विक आवाहन ₹एक साथ, एक मिनट, गीता पाठ₹ में राजस्थान प्रदेश के स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालयो की उल्लेखनीय भागीदारी हो जिससे विद्यार्थियों के जीवन में गीता आधारित संस्कारों एवं वैल्यू एजुकेशन की समझा बड़े जिससे वह स्वयं के साथ-साथ राष्ट्र एवं विश्व के लिए कल्याणकारी कार्य हेतु प्रेरित हो ऐसी भावना मुख्यमंत्री के समक्ष रखी साथ ही महाराज ने राज्य सरकार से शिक्षा पाठ्यक्रम में गीता के महत्व को शामिल करने का प्रस्ताव रखा, दोनों ही प्रस्तावों की सराहना व समर्थन करते हुए इसमें सहयोग एवं समर्थन का आश्वासन दिया। जीओ गीता परिवार प्रतिनिधि मंडल के साथ करीब आधे घंटे हुई इस शिष्टाचार भेंट में राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप मित्तल, प्रदेश संयोजक किशन पाठक, प्रदेश सहसंयोजक योगाचार्य मनीष एवं आनंद स्वामी जी सम्मिलित रहे।

5 करोड़ गीता पाठ का लक्ष्य

शाम को जीओ गीता परिवार एवं सर्वमंगला सनातन धर्म फाउंडेशन की ओर से राजस्थान विश्वविद्यालय मानविकी पीठ सभागार में महामंडलेश्वर गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज का ₹श्रीमद्भगवत गीता सनातन जय घोष₹ विषय पर व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गीता परिवार की राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप मित्तल, प्रदेश संयोजक किशन पाठक, कार्यक्रम संयोजक योगाचार्य योगी मनीष समन्वयक डी पी गुप्ता, एवं आनंद पोद्दार द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई महाराज श्री एवं अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के आनंद जी पोद्दार, डीपी गुप्ता जी, मनीष मालू, योगाचार्य महेंद्र, अशोक हिंदुस्तानी, श्री योगा के योगाचार्य नीरज, के के शर्मा शर्मा ₹कमलर₹, मदन मोहन पालीवाल, आर्किटेक्ट मयंक शर्मा, नितिन बघेरिया, चंद्रेश शर्मा, विपुल गर्ग, योगेश कुमावत, निखिल पालीवाल, सीताराम अग्रवाल, विजय सिंघल एवम् संतोष द्वारा किया गया। व्याख्यान में जनप्रतिनिधियों के अलावा सनातन गीता प्रेमी संगठन, योग प्रशिक्षण केंद्रों, आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक व शिक्षण संस्थानों के पदाधिकारी व छात्र शामिल हुए। इस अवसर पर ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता जयंती से व्यक्ति के जीवन में संतुलन, उद्देश्य और जीवन दर्शन को गहरा करने का प्रयास किया जाता है, जिससे कि हर व्यक्ति अपने जीवन में एक सकारात्मक बदलाव ला सके। गीता जयंती हमें यह संदेश देती है कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है। यह समर्पण, प्रेम, भाईचारे और शांति का प्रतीक है। जीओ गीता परिवार के राष्ट्रीय महामंत्री 11 दिसंबर को दोपहर 11 बजे एक साथ एक मिनट का सामूहिक गीता पाठ करने का आ''ान करते हुए बताया की विश्व में इस बार 5 करोड़ गीता पाठ का लक्ष्य रखा गया है।

'वार्ड स्तर पर गीता एवं योग पर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाएंगे' - योगाचार्य योगी मनीष

संयोजक योगी मनीष ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहां की महाराज श्री के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में जयपुर में वार्ड स्तर पर घर-घर गीता और योग पहचाने का अभियान चलाएंगे। स्कूलों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालय में गीता के ऊपर सरकार एवं विभिन्न संगठनों के सहयोग से कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े आनंद पोद्दार को जयपुर जिले का संयोजक घोषित करते हुए उनका पुष्प हार से स्वागत किया गया। प्रदेश संयोजक किशन पाठक ने महाराज श्री सहित सभी अतिथियों एवं सम्मिलित धर्म प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन समिति को कार्यक्रम की सफलता एवं सार्थकता हेतु बधाई देते हुए कहा कि गीता जयंती को पूरे प्रदेश में कार्यक्रम किए जाएंगे।

लोकेन्द्र सिंह रहीमपुर को राष्ट्रीय किसान यूनियन अराजनैतिक संगठन का प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष बनने पर किया भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) राष्ट्रीय किसान यूनियन अराजनैतिक संगठन के राजस्थान के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह रहीमपुर को बनाए जाने पर ज्ञान प्रकाश सागर के नेतृत्व में भरतपुर जिले के किसानों एवं नवयुवक मंडल ने माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत कर लोकेंद्र सिंह रहीमपुर को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इस मौके पर अंकुश सागर,शुभम सागर,मनोज, अंकेश सागर, ज्योति प्रकाश,उदयसिंह खेरोरा लखन,थानसिंह सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

भटियानी में पेंशन सत्यापन शिविर एवं ग्राम सभा का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान रघुनंदन पारीक श्रीनगर ।अजमेर/नसीराबाद। निकटवर्ती ग्राम भटियाणी में वार्षिक पेंशन सत्यापन से वंचित पेंशनर्स के लिए शिविर का आयोजन किया गया जिसमें भटियाणी जड़वासा व लोहरवाड़ा ग्राम पंचायत के वंचित पेंशनर्स का सत्यापन किया गया, साथ ही ग्राम सभा का आयोजन भी किया गया जिसमें भारतीय संविधान की शपथ भी दिलाई गई शिविर में सरपंच कौशल्या देवी तेला ग्राम विकास अधिकारी बाबूलाल प्रजापत, कनिष्ठ सहायक भेरूलाल मेघवाल ,ऑपरेटर सोनू रील कनिष्ठ सहायक सुनीता चौधरी विद्यालय सहायक पुखराज टांक व ग्राम रोजगार सहायक गुलाबचंद सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे !

भरतपुर में एसीबी की बड़ी कार्यवाही

(अनुजा निगम)के सहायक सांख्यिकी अधिकारी नीरज शर्मा को 7000 रुपए की रिश्वत की राशि के साथ किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) एसीबी टीम ने जिला कलेक्ट्रेट स्थित कमरा नंबर 57 में राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त विकास कार्यालय (अनुजा निगम) के रिश्वतखोर सहायक सांख्यिकी अधिकारी नीरज शर्मा को 7000 रुपए की रिश्वत की राशि के साथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के एडिशनल एसपी अमित चौधरी ने बताया- अनुजा निगम के सहायक सांख्यिकी अधिकारी नीरज शर्मा ने दिव्यांग शिकायतकर्ता से लोन पर सब्सिडी दिलाने के एवज में 25 हजार की रिश्वत मांगी थी। बाद में यह सौदा 15 हजार में तय हो गया था। इसकी शिकायत पीड़ित ने एसीबी से की थी। मंगलवार को शिकायतकर्ता से शिकायत का सत्यापन करवाया गया। शिकायतकर्ता रिश्वत की पहली किस्त के 7000 रुपए सांख्यिकी अधिकारी नीरज शर्मा को देने कमरा नंबर 57 में पहुंचा। नीरज ने राशि ली तो शिकायतकर्ता का इशारा पाते ही टीम वहां पहुंच गई और राशि के साथ नीरज शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। लोन पर सब्सिडी पाने के लिए शिकायतकर्ता कई दिन से अनुजा निगम कार्यालय के चक्कर काट रहा था।

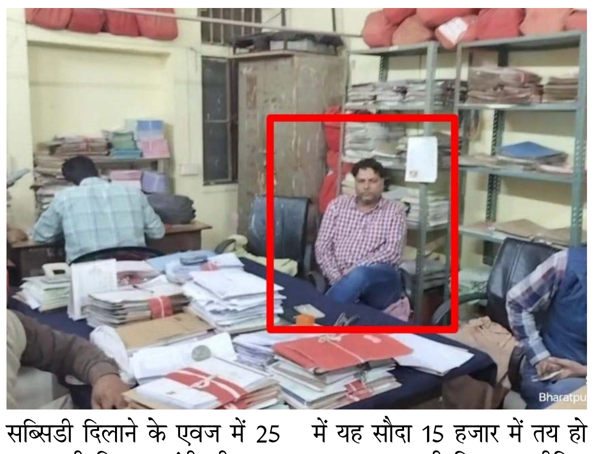

ग्राम पंचायत जिलावडा में ग्राम सभा आयोजित एवं संविधान दिवस उपलक्ष्य में सपत ग्रहण

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर/नसीराबाद संविधान दिवस पर संवैधानिक मूल्यों के बारे में चर्चा की गई संविधान के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली। पंचायत समिति श्रीनगर के अधीन ग्राम पंचायत जिलावडा में ग्राम सभा आयोजित हुई

ग्राम विकास अधिकारी अजय पारीक ने बताया की आज जीलावड़ा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ग्राम सभा आयोजित की गई व संविधान दिवस पर ग्रामीणों से चर्चा की गई संविधान के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली गई इस दौरान जिला बड़ा सरपंच रफीक शाह, उपसरपंच बरकत बैग , समाजसेवी उम्मीद बेग, गुलशेर शाह, सलीम बेग ,अमजद खान, शहीद कई ग्राम वासित रहे उपस्थित।

हनुमान बेनीवाल हार को शालीनता से करे स्वीकार, अनर्गल बयानबाजी ना करे : लक्ष्मीकांत भारद्वाज

हनुमान बेनीवाल जिस तरीके की भाषा अन्य पार्टी के नेताओ के लिए उपयोग में लेते है वो राजस्थान की संस्कृति नहीं है : लक्ष्मीकांत भारद्वाज

चमकता राजस्थान

जयपुर 26 नवंबर 2024 । भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने कहा कि हनुमान बेनीवाल खुद सांसद है और उन्हें कानून दायरे में रहते हुए ही बयानबाजी करनी चाहिए। बेनीवाल को स्वयं भी अनुशासन में रहना चाहिए और खुद की पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी अनुशासन में रहना सिखाना चाहिए ना की उन्हें हुड दंग करने के लिए उकसाना चाहिए ।

गौरतलब है कि आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने भाजपा के प्रदेश प्रभारी के लिए अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें हानि पहुचाने के लिए अपनी पार्टी आरएलपी के कार्यकर्ताओं को उकसाया था ।

भारद्वाज ने कहा कि कहा कि भाजपा के प्रदेश प्रभारी के खिलाफ ऐसे अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करना हनुमान बेनीवाल को शोभा नहीं देता है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हू। प्रदेश प्रभारी राजस्थान के अतिथि है ऐसे में बेनीवाल को अतिथि सत्कार की परम्परा को देखते हुए इस तरह की अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए था। राजस्थान में पधारो म्हारे देस की भावना रखते हुए अतिथि सत्कार किया जाता है परंतु बेनीवाल ने प्रदेश के अतिथि और प्रदेश प्रभारी के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करके राजस्थान प्रदेश की छवि को भी धूमिल करने का प्रयास किया है ।

भारद्वाज ने कहा कि बेनीवाल जिस तरीके की भाषा अन्य पार्टी के नेताओ के लिए उपयोग में लेते है वो राजस्थान की संस्कृति नहीं है ।उन्हें राजस्थान की संस्कृति को ध्यान में रखते हुए मर्यादित रहकर राजनैतिक बयानबाजी करनी चाहिए। बेनीवाल स्वयं सांसद है उन्हें इस तरीके की भाषा बोलना शोभा नहीं देता है।

भारद्वाज ने कहा कि बेनीवाल जैसे नेता जीत के बाद अहंकार और दंभ से भर जाते हैं लेकिन हार शालीनता से स्वीकार ना करते हुए जनता के मुहं पर दरवाज़ा बंद कर देते हैं। इसका उदाहरण अभी देखने को मिला है जब बेनीवाल ने उनके घर पर आए कार्यकर्ताओं को उनके मुंह पर ही दरवाजा बंद करके अपमानित किया ।बेनीवाल को हार को शालीनता से स्वीकार करना चाहिए यही लोकतंत्र की सुंदरता है और अपने कार्यकर्ताओं को भी कानून की दुहाई देते हुए अनुशासन में रहने का पाठ पढ़ाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय कन्या महाविद्यालय बाड़ी में संविधान दिवस मनाया गया

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर। आज राजकीय कन्या महाविद्यालय बाड़ी में संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह के निर्देशन और महाविद्यालय प्रभारी गुमान सिंह मीणा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर सभी छात्राओं ने संविधान की शपथ ली और प्रस्तावना का पाठ किया, साथ ही संविधान को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न छात्राओं ने भारतीय संविधान पर अपने विचार व्यक्त किए। सानिया सैफी, मंतशा, खुशबू, आफरीन, तान्या गर्ग, प्रीति सागर, उमा वती, रजनी सहित अन्य छात्राओं ने भारतीय संविधान की विशेषताओं और डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के योगदान पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय प्रभारी डॉ. योग्यता शाक्य ने अपने भाषण में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को संवैधानिक आधार प्रदान किया, जो आज भी सफलतापूर्वक जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान में समय के साथ बदलाव हुए हैं, लेकिन संविधान की आत्मा आज भी जस की तस कायम है, क्योंकि इसके निर्माता ने इस बात का ख्याल रखा कि इसकी आत्मा के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। इतिहास प्रवक्ता डॉ. कबीर शरण ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि भारतीय संविधान ने महिलाओं को अधिकार प्रदान किए, जबकि कई विकसित देशों में महिलाओं को राजनीतिक अधिकार नहीं थे। उन्होंने कहा कि आज जो महिला सशक्तिकरण देखा जा रहा है, वह भारतीय संविधान की ही देन है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. नीतेश भारद्वाज, डॉ. महेंद्र सिंह मीणा, डॉ. मुजम्मिल शैली, डॉ. योग्यता शाक्य, बाबर अली सहित समस्त सहायक आचार्य उपस्थित रहे।

बाल पाठशाला में मनाया गया संविधान दिवस

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। विजयनगर कॉलोनी हीरा दास स्थित फाउंडर दिगंबर सिंह द्वारा संचालित निशुल्क बाल पाठशाला में प्रो. डॉ. राजाराम बौद्ध के मुख्य अतिथि द्वारा बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर प्रोग्राम की शुरुआत की गई जिसमें उन्होंने बताया कि इसके प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. बी.आर. अंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य वास्तुकार माना जाता है, जो देश की अद्वितीय सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता को ध्यान में रखते हुए देश का मार्गदर्शन और शासन करने के लिए एक व्यापक और गतिशील ढांचा प्रदान करता है।

रिटा. व्याख्याता भीम सिंह कर्दम एवं मोहन सिंह अध्यापक प्रोग्राम के विशिष्ट अतिथि रहे जिसमें उन्होंने संदेश दिया कि संविधान दिवस का उद्देश्य लोगों को संविधान की मूल बातें और इसके महत्व के बारे में जागरूक करना है यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार और स्वतंत्रता प्राप्त हैं

साथ ही मुख्य वक्ता शिक्षा विद लक्ष्मण सिंह ने बच्चों और उनके अभिभावकों को संविधान के विषय में बतलाया और भीमराव अंबेडकर के विचारों पर प्रकाश डाला

समिति अध्यक्ष वीरपाल सिंह ने अध्यक्षता करते हुए बताया कि यह दिन लोकतांत्रिक आदर्शों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम करता है। उङ्गल्ल२३३४३ङ्गल्ल उं८ जिसे ₹संविधान दिवस₹ के नाम से भी जाना जाता है, हर साल 26 नवंबर को मनाया जाता है संविधान दिवस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि यह देश के संविधान को अपनाने का प्रतीक है, जो देश का सर्वोच्च कानून है।

इस अवसर पर पाठशाला में पढ़ने वाले सभी बच्चे और उनके माता-पिता जिनमें देवी सिंह, बृजेश, रतन सिंह, पूनम कुमारी, दिव्या कुमारी, रिंकी,रेखा,सीमा, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे ।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रधानाचार्य संवाद कार्यक्रम का खानपुर मीना से हुआ आगाज

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेश नेतृत्व की ओर से प्रधानाचार्य संवाद कार्यक्रम के तहत महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खानपुर मीना बाडी में जिला अध्यक्ष रघुवीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में प्रधानाचार्य एवम विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों से मुलाकात कर संघठन का पत्रक भेंट किया गया। उपशाखा बाडी के अध्यक्ष जीतेंद्र कंसाना ने बताया कि प्रधानाचार्या विजय राज लक्ष्मी शर्मा को दिए गए पत्रक में संघठन की कार्यशैली, संघठन का संघटनात्मक ढांचा, सत्र पर्यंत विविध कार्यक्रम, विचार धारा के संबंध में जानकारी देते हुए पत्रक सौंपा। जिला अध्यक्ष रघुवीर प्रसाद शर्मा, जिला मंत्री पुरुषोत्तम शर्मा एवम जिला संघठन मंत्री जयप्रकाश कटारा के निर्देशन में जिले भर में प्रधानाचार्य संवाद कार्यक्रम के तहत संपर्क किया जायेगा। धौलपुर जिले की समस्त उपशाखाओं के नेतृत्व में पत्रक देकर संघठन की गतिविधियों से शिक्षकों को रूबरू किया जायेगा। इस अवसर उप प्राचार्य दिलीप सिंह चाहर, पीईईओ परिक्षेत्र खानपुर मीना के संकुल संयोजक सीताराम मीना सहित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खानपुर मीना का समस्त स्टाफ मौजूद थे।

आरएसआरडीसी में टोल टेंडरः फिक्सिग की आशंका को लेकर मुख्यालय पर प्रदर्शन

चमकता राजस्थान

जयपुर। आरएसआरडीसी द्वारा प्रदेश में संचालित टोल मार्गों पर टोल वसूली के लिए जारी टेंडरों में हो रही गड़बड़ी और फिक्सिग को लेकर झालाना स्थित आरएसआरडीसी मुख्यालय पर मंगलवार को प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में आए लोगों ने एमडी सुनील जय सिंह का घेराव भी किया। कार्यालय में अचानक आए इन लोगों को देखकर स्टॉफ भी बाहर आ गया। प्रदर्शनकारियों ने ''टोल में चोरी का नया पेटर्न बंद करो'', ''जब फिक्सिग की करनी है तो टेंडर का ढोंग क्यों'' ''राजस्व को डकार रहा भ्रष्टाचार,युवाओं को कैसे मिलेगा रोजगार'' जैसे नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर नए टोल टेंडरों में ''फिक्सिग'' के आरोप लगा प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए लोग एमडी के कमरे में घुस गए। इस पर एमडी सुनील जय सिंह ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर उनकी बात सुनी। प्रदर्शनकारी यूनूस चौपदार ने बताया की विभाग ने कुछ चुनिंदा टोल कंपनियों को फायदा पहुचाने के उद्देश्य से टेंडर बनाया है। इससे ठेकेदारों को चोरी का अवसर मिलेगा और युवाओं का रोजगार छिनेगा। चौपदार ने मांग रखी की अधिकारी इस बात की गारंटी ले कि विगत वर्ष की तुलना में इन नए पेटर्न से राजस्व में कमी नहीं होगी। और राजस्व कम होता है तो जिम्मेदार अधिकारियों से इसकी वसूली की जाए।

अनशन की चेतावनी

» यूनूस चौपदार ने एमडी सुनील जयसिंह से वार्ता के दौरान कहा कि पिछले सप्ताह इन टोल टेंडरों में गड़बड़ियों के खिलाफ मुख्यमंत्री,मुख्य सचिव और विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन मेल किया जा चुका है,लेकिन मिलीभगत के चलते कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। ऐसे में जल्द सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती है तो मजबूरन अनशन पर बैठना पड़ेगा।

टोल टेंडर में बड़ी गड़बड़

चौपदार ने बताया की टेंडर में चार पैकेज बनाए गए है,जिसमें अलग-अलग पैकेज में दो से छः टोल रूट रखे गए है। इस पैटर्न से टोल माफिया का एकाधिकार कायम हो जाएगा और ठेकेदारों के मौज होगी। मैनपावर सप्लाई के इस टेंडर में कही भी कर्मचारियों के न्यूनतम मानदेय का निर्धारण नहीं किया गया है और जानबूझकर नियमविरूध ऐसी शर्तें लगाई गई है,जो आरएसआरडीसी का कोई भी वर्तमान ठेकेदार पूरी नहीं करता है। चौपदार ने आरोप लगाया कि यह सब शर्त निविदा की गोपनियता भंग कर अधिकारियों ने किसी फर्म विशेष से सांठगाठ कर लगाई है। वित्त विभाग के नियमों के अनुसार टेंडर प्रकिया में प्रथम अपील अधिकारी उपापन संस्था से उपर के अधिकारी को बनाने का प्रावधान है,लेकिन फिक्सिग के इस खेल में टेंडर जारी कर्ता महाप्रबंधक आरएसआरडीसी को ही प्रथम अपील अधिकारी बना दिया गया है।

टोल कर्मी बोले हम कहा जाएं

प्रदर्शन में शामिल टोलकर्मियों ने कहा कि सरकार राइजिंग राजस्थान में बाहरी निवेश लाकर रोजगार देने का दावा कर रही है। लेकिन इन टेंडरों की शर्तों से ''फिक्सिग'' के कारण प्रदेश में टोल संग्रहण का काम कर रही स्थानीय कंपनीयां बाहर हो जाएगी,तो सालों से काम कर रहे युवा बेरोजगार हो जाएंगें।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में हुआ साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन

डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को जनसुनवाई के प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के दिये निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 26 नवंबर। जिला कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। साथ ही जिला कलक्टर ने अधिकारियों को कुर्रेजात, सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी एवं भू-रूपांतरण सहित समस्त प्रकार के लंबित राजस्व वादों में भी कमी लाने के निर्देश दिये।जिला कलक्टर ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत अधिक से अधिक ग्रामीणों को लाभांवित करने एवं खोले गए रास्तों पर जल्द से जल्द ग्रेवल सड़कों के निमार्ण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के लिए भी निर्देशित किया।उन्होंने बैठक में जिले में संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले के सभी उपखण्ड अधिकारियों को युवा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए समस्त तैयारियां दुरुस्त रखने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सभी स्तर पर आयोजित होने वाले इस युवा महोत्सव में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभाशाली युवा अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं इसके लिए अधिकारी कार्ययोजना का बेहतर रूप से क्रियान्वयन करें।डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने, नियमित जनसुनवाई करने, राजकीय कार्यालयों, विद्यालयों, छात्रावासों का नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं अधिक से अधिक रात्रि चौपाल कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिये।जिला कलक्टर ने अधिकारियों को आगामी सर्द ऋतु के मद्देनजर क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में रैन बसेरे संचालित करने एवं रैन बसेरों में साफ-सफाई, साफ बिस्तर सहित अन्य इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को मर्ज किये गए राजकीय विद्यालयों के भवनों में वर्तमान में किराये के भवन में संचालित आंगनबाड़ी अथवा स्वास्थ्य केन्द्र अथवा अन्य राजकीय कार्यालय संचालित करने की कार्यवाही अमल में लाने के लिए भी निर्देशित किया।बैठक में राजस्थान संपर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री सहायता कोष से जुड़े प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग सुधार के लिए समस्त आवश्यक तैयारियां दुरुस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को अपने क्षेत्र में गोद लिये गए पार्कों का गुणवत्तापूर्ण विकास करने के निर्देश दिये गए।बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, सहित नगर निगम, शिक्षा विभाग, सामाजिक न्या एवं अधिकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, समस्तर उपखण्ड अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, अधीशासी अधिकारी, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में जुड़े।

'सशक्त युवा-विकसित भारत' की थीम पर होगा मिनी जम्बूरी (जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैली) का आयोजन

- 9 जनवरी से 13 जनवरी तक गोविन्दपुरा रोपाड़ा, गोनेर रोड में होगा आयोजन
- 3 हजार से अधिक स्काउट गाइड लेंगे कार्यक्रम में भाग
- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 26 नवंबर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मंडल मुख्यालय, जयपुर द्वारा आगामी 9 जनवरी से 13 जनवरी, 2024 तक जयपुर के गोनेर रोड स्थित गोविन्दपुरा रोपाड़ा में मिनी जम्बूरी (जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैली) का आयोजन किया जाएगा। सशक्त युवा-विकसित भारत की थीम पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जिला- जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू एवं कोटपूतली-बहरोड़ के 3 हजार से अधिक स्काउट गाइड भाग लेंगे।मंगलवार को जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने रैली के आयोजन के संबंध में बैठक ली एवं आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जिला कलक्टर ने नगर निगम, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जलदाय विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पर्यटन विभाग, वन विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग संबंधित विभागों के अधिकारियों को रैली के सफल आयोजन के लिए जिम्मेदारियां सौंपी।बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को मिनी जम्बूरी के सफल आयोजन के लिए हर संभव प्रयास एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संविधान से जुड़े रोचक सवालों के दिये जवाब

संविधान दिवस के अवसर पर जयपुर में जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का हुआ आयोजन

एसएसजी पारीक पीजी कॉलेज में जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के तत्वावधान में हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । संविधान दिवस के अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर के तत्वावधान में एसएसजी पीजी पारीक कॉलेज के सभागार में जिला स्तरीय प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री देवेन्द्र कुमार जैन और अन्य अतिथियों एवं युवाओं ने ने सभागार में प्रदर्शित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा संविधान निर्माताओं तथा इसमें योगदान देने वाले पुरोधाओं को याद किया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ श्री धमेन्द्र चौधरी एवं श्रीमती सुप्रिया अग्रवाल ने विद्यार्थियों को भारत के संविधान की बारीकियों और विशेषताओं से रूबरू करवाया।

संगोष्ठी के पश्चात संविधान से जुड़े रोचक प्रश्नों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सवालों के सही जवाब देने वाले विजेता विद्यार्थियों को राजस्थान सरकार की प्रमाणिक एवं प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका 'राजस्थान सुजस' की प्रति पुरस्कार के तौर पर प्रदान की गई।

कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री देवेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि संविधान का अर्थ है, समविधान अर्थात जो सभी के लिए एक समान नियमावली प्रस्तुत करें और सभी के हितों की रक्षा करें। ऋग्वेद में उल्लेख है कि सर्वप्रथम जन एवं जनपदों के लिए सभा,समिति और विदथ का गठन किया गया और इसके लिए नियमावली बनाई गई।

उन्होने कहा कि किसी शासन व्यवस्था के लिए विधान निर्माण का यह सबसे पहला उदाहरण है। समय के साथ आवश्यकतानुसार विधान बदलते गए। हमारे देश का संविधान 60 देशों के संविधान से अच्छी बातों का चयन कर बनाया गया है। यह अपने आप में कठोर एवं लचीलेपन का शानदार मिश्रण है जो देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है।

आयोजन में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक हेत प्रकाश शर्मा, एसएसजी पारीक पीजी महाविद्यालय के प्राचार्य एन.एम. शर्मा, उपाचार्य डॉ. अंजू पारीक ने शिरकत की। कार्यक्रम का मंच संचालन सहायक जनसंपर्क अधिकारी नरेन्द्र सिंह शेखावत ने किया। अतिरिक्त लेखाधिकारी प्रथम राजेश चन्द्र भीमवाल, सहायक प्रशासनिक अधिकारी जितेन्द्र कसाना सहित अन्य अधिकारियों एवं महाविद्यालय के शिक्षकगणों के साथ-साथ सैकड़ों विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

संक्षिप्त समाचार

जयपुर पुलिस आयुक्त 28 नवम्बर को मुहाना थाने में करेंगे जनसुनवाई'

- वृत क्षेत्र चाकसू, मानसरोवर जयपुर (दक्षिण) व बगरू जयपुर (पश्चिम) के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी।'

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 26 नवम्बर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ 28 नवम्बर(गुरुवार) को 11 एएम से 2 पीएम तक पुलिस थाना मुहाना में जन सुनवाई करेंगे।जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) कुँवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनंद, पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम, सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू, मानसरोवर, बगरू एवं संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारी गण उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वृत क्षेत्र चाकसू, मानसरोवर जयपुर (दक्षिण) व बगरू जयपुर (पश्चिम) के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी।जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस आयुक्त द्वारा शिप्रापथ (जयपुर दक्षिण), कानोता (जयपुर पूर्व), करधनी (जयपुर पश्चिम), विद्याधरनगर (जयपुर उत्तर), शिवदासपुरा (जयपुर दक्षिण), बगरू (जयपुर पश्चिम), चौमू (जयपुर पश्चिम), प्रतापनगर (जयपुर पूर्व), जयसिंहपुरा खोर (जयपुर उत्तर) जवाहर सर्किल (जयपुर पूर्व) एवं वैशाली नगर (जयपुर पश्चिम) थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

28 नवंबर से 7 दिन तक चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान

- जिला कलेक्टर ने नागरिकों से स्वयं अतिक्रमण हटाने की की अपील

चमकता राजस्थान। कोटपूतली-बहरोड़(धर्मेंद्र बंसल)। 26 नवंबर। कलेक्टर कल्पना अग्रवाल तथा पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत की अध्यक्षता में आज एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई इसमें उन्होंने कोटपूतली शहर में विभिन्न स्थानों पर हो रहे अतिक्रमण के बारे में जानकारी लेते हुए उन पर प्रभावी करवाई करने के लिए 28 नवंबर से 7 दिन तक शहर के विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रारंभ करवाने के निर्देश दिए । जिला कलेक्टर ने बताया कि उपखंड अधिकारी कोटपुतली इस टीम को लीड करते हुए कोटपूतली शहर में जिन स्थानों पर भारी जाम की स्थिति रहती है उन स्थानों को चिन्हित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के बाद पुनः अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाने के निर्देश दिए गए इसके साथ ही उन्होंने पुनः अतिक्रमण की समस्या के स्थाई समाधान के लिए सीमांकन कर उन स्थानों पर बेरी केटिंग करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की है कि अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई में सभी व्यापारी आगे बढ़कर प्रशासन का साथ दें जिससे कोटपूतली शहर में जाम की समस्या का स्थाई समाधान निकाल सके। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बाल पार्षद बढ़ाएंगे जयपुर की स्वच्छता में योगदान

हेरिटेज महापौर कुसुम यादव ने लॉन्च किया 'कौन बनेगा बाल पार्षद' अभियान

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । स्वच्छता से आमजन और खासकर बच्चों को जोड़ने के लिए नगर निगम हेरिटेज की ओर से 'कौन बनेगा बाल पार्षद' अभियान लॉन्च किया गया है। हेरिटेज निगम की महापौर कुसुम यादव ने डिजिटल बाल मेला और फ्यूचर सोसायटी की तत्वावधान में किशनपोल बाजार स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में इस अभियान को लॉन्च करते हुए कहा कि बच्चों को स्वच्छता के साथ जोड़ना बेहद जरूरी है। बच्चे जब स्वच्छता के अभियान के भागीदार बनेंगे तो घर और मोहल्ला साफ रहेगा। धीरे-धीरे बच्चे ही पूरे शहर में स्वच्छता की अलख जगाएंगे और

पूरा शहर साफ रहेगा। महापौर कुसुम यादव ने कहा कि हर बच्चे को अपने घर में माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को यह बताना होगा कि सफाई क्यों जरूरी है। साथ ही कचरा एकत्रित करने वाली गाड़ी में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालना चाहिए। उन्होंने बच्चों से अपील करते हुए कहा कि कचरे को किसी खाली प्लॉट या घर के बाहर नहीं फेंकना चाहिए। कुसुम यादव ने कहा कि बच्चे इस देश का भविष्य है। अगले माह राइजिंग राजस्थान समिट होने जा रहा है। ऐसे में शहर को साफ रखने में बच्चों की जिम्मेदारी भी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। इसके साथ ही उन्होंने अभियान के पोस्टर को लॉन्च करते हुए डिजिटल बाल मेला टीम को बधाई दी। डिजिटल बाल मेला की जाह्नवी शर्मा ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान में 12 से 18 वर्ष के विद्यार्थी भागीदार बन सकते हैं। आने वाले समय में हेरिटेज निगम के अलग-अलग वार्ड में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही कई तरह की प्रतियोगिताएं भी आयोजित होगी। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्राचार्य खामोश मीणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बाल पार्षदों का विशेष सत्र होगा आयोजित

» फ्यूचर सोसायटी की रविता शर्मा ने बताया कि डिजिटल बाल मेला की ओर से विधानसभाओं में बाल सत्र आयोजित किए जाते रहे हैं, जहां बच्चे मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक बनकर अपने मुद्दों को सरकार तक पहुंचा चुके हैं। ऐसे में अब बच्चों को पार्षद बनने का मौका मिलेगा। करीब दो माह तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी के बाद बाल पार्षदों की एक विशेष सभा आयोजित होगी। जिसमें बच्चे पार्षदों की तरह शहर के विकास के मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे।

आदर्श नगर विधानसभा कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष सहित नवनियुक्त वार्ड अध्यक्षों का एम. डी. रोड़ पर हुआ जोरदार स्वागत

आदर्श नगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जताया विधायक रफीक खान का आभार

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) राजधानी जयपुर की आदर्श विधानसभा के परिक्षेत्र एम.डी. रोड़ स्थित जाने-माने संस्थान रॉयल टेक वें पर युवा समाजसेवी एवं कांग्रेस कार्यकर्ता समशू कुरैशी और पप्पू कुरैशी के नेतृत्व में आदर्श नगर विधानसभा जयपुर के आदर्श नगर मोती डुगंरी मंडल अध्यक्ष इरफ़ान कुरैशी होटल फिरोज़ तथा वार्ड नं 87 से साबीर कुरैशी, वार्ड नं 89 से जियाउद्दीन कुरैशी की कांग्रेस वार्ड अध्यक्ष पर नियुक्ति पर आदर्श नगर विधानसभा के समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत समारोह का आयोजन कर मंडल अध्यक्ष व वार्ड अध्यक्षों को सम्मानित किया। इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता रिजवान कुरैशी ने बताया कि जयपुर शहर जिला अध्यक्ष कांग्रेस आर. आर. तिवाड़ी के निर्देशानुसार और आदर्श नगर से कांग्रेस के लाडले विधायक रफीक खान की अनुशंसा से पर आदर्श नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की स्वीकृति पर जमीनी स्तर के स्वच्छ छवि वाले सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मंडल और वार्ड अध्यक्षों को नियुक्ति दी गयी है जिससे निश्चित रूप से आगामी समय में आदर्श नगर विधानसभा से कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। इस मौके पर समशु कुरैशी और पप्पू कुरैशी की पुरी टीम ने मंडल अध्यक्ष इरफ़ान कुरैशी वार्ड अध्यक्ष साबीर कुरैशी जियाउद्दीन को कांग्रेस का पटका पहनाकर, तथा कांग्रेस का बैच लगाकर, माल्यार्पण कर साफा बंधवाकर गर्मजोशी से जोरदार स्वागत कर सभी वार्डों में संगठन सर्जन अभियान के तहत आदर्श विधानसभा से कांग्रेस को मजबूत बनाने का बल दिया। इसके साथ ही उपस्थित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिनमें युवा और वरिष्ठ कांग्रेसजन मौजूद थे उन सभी ने कांग्रेस आलाकमान और अपने लोकप्रिय जनसेवक विधायक रफीक खान का आभार व्यक्त किया और कांग्रेस ज़िंदाबाद के नारों से माहौल को गुंजायमान कर दिया

- **स्वागत कार्यक्रम में ये रहे मौजूद**

युवा समाजसेवी समशू भाई, रहीश कुरैशी, रिजवान भाई, रहीश भाई, जाकिर भाई ,रहीम कुरैशी, पप्पू कुरैशी, गुल्लू कुरैशी, रफीक कुरैशी, निसार भाई,मुन्ना कुरैशी, सहित बड़ी संख्या में एम डी रोड़ आदर्श नगर जयपुर के युवा गणमान्य सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़ व कोटा की टीम का बड़ा एक्शन !

- मारुति वेन के गैस किट के पार्टीशन में बड़ी मात्रा में मिली अफीम

चमकता राजस्थान। चित्तौड़गढ़ !(बाबू अग्नानी) नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। टीम ने एक मारुति वैन को रोक कर तलाशी ली है, जिसके गैस कीट में पार्टिशन कर के अफीम भरी हुई थी। इस मामले में एक आरोपित की गिरफ्तारी हुई है, जिससे अफीम के संबंध में अनुसंधान जारी है। बरामद की गई अफीम का अनुमानित मूल्य 30 लाख रुपए से ज्यादा बताया जा रहा है।केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़ के निवारक एवं आ सूचना प्रक ोष्ठ के अधीक्षक डीके सिंह ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर लगातार कार्यवाही जारी है। इस दौरान मुखबिर से अफीम तस्करी के संबंध में सूचना मिली थी। इस पर चित्तौड़गढ़ व कोटा की टीम का गठन किया गया। यह टीम भीलवाड़ा सिक्सलेन पर चित्तौड़गढ़ जिले में रिठौला चौराहे पर पहुंची। इस दौरान मुखबिर की और से बताया वाहन निंबाहेड़ा कोटा हाइवे की और से आता दिखाई दिया। नारकोटिक्स की टीम ने वैन को रुकवाया और तलाशी की। पहले वैन के अंदर और सीट के नीचे तलाशी ली। बाद में वैन में लगे गैस कीट को देखा तो शंका हुई। इस पर टीम ने गैस की टंकी को खुलवा कर देखा। इस पर सामने आया कि गैस की टंकी को खुलवाया। इसमें सामने आया कि वैन की टंकी में दो पार्टिशन किए हुवे थे। इसमें एक पार्टिशन में अफीम मिली। यहां चार पैकेट में अफीम थी, जिसका वजन 7 किलो 490 ग्राम निकला।

- **जोधपुर ले जानी थी अफीम**

इस पूरे मामले में नारकोटिक्स की टीम ने आरोपित झालावाड़ जिले में पंच पहाड़ तहसील के पगारिया गांव निवासी दुर्गेश पुत्र श्याम लाल बसेर को गिरफ्तार किया है। नारकोटिक्स की टीम आरोपित और वैन को नारकोटिक्स कार्यालय लेकर आई है, जिससे पूछताछ की जा रही है। पकड़ी गई अफीम का अनुमानित मूल्य 30 लाख रुपए से ज्यादा बताया जा रहा है। पूछताछ में सामने आया कि यह अफीम जोधपुर ले जानी थी।

डॉ.अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान के द्वारा आयोजित किया गया संविधान दिवस समारोह

बाबासाहेब के दिए संविधान की रक्षा हर भारतीय की जिम्मेदारी है, कर्तव्य है। : टीकाराम जूली नेताप्रतिपक्ष

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) डॉ अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान द्वारा सोसाइटी प्रांगण झालाना डूंगरी जयपुर में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, डॉ प्रेमचंद बेरवा रहे, विशिष्ट अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राज्य मंत्री डॉ मंजू बागमार, उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, महानिदेशक एसीबी डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ,पूर्व न्यायाधीश चंद्र कुमार सोनगरा, पूर्व सांसद रामकुमार वर्मा, अध्यक्ष जिला आयोग उपभोक्ता ग्यारसी लाल मीणा,भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल इत्यादि ने शिरकत की समारोह की अध्यक्षता सोसाइटी के अध्यक्ष रिटायर्ड आईपीएस जसवंत संपतराम ने की इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों व संविधान शिल्पी पूज्य बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के महान दर्शन व सामाजिक न्याय के आदर्शों के अनुरूप हमारी सरकार द्वारा राजस्थान में किए गए विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं व जन-हितैषी नीतियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।और आगे कहा कि हमारी सरकार सामाजिक समरसता, आर्थिक समानता व शैक्षिक उत्थान के लिए कटिबद्ध है और इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयासरत है।समारोह में उपस्थित सम्मानित जनों ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों व संविधान शिल्पी पूज्य बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के महान दर्शन व सामाजिक न्याय के आदर्शों के अनुरूप हमारी सरकार द्वारा राजस्थान में किए गए विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं व जन-हितैषी नीतियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। हमारी सरकार सामाजिक समरसता, आर्थिक समानता व शैक्षिक उत्थान के लिए कटिबद्ध है और इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयासरत है।सभी अतिथियों ने बाबा साहेब डा भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और अपने-अपने उद्बोधन में संविधान के बारे में अपने-अपने विचार प्रकट किया इस अवसर पर काफी संख्या में लोगो के साथ जनप्रतिनिधि, एडवोकेट, अधिकारी एवं कर्मचारी गण आदि शामिल हुए मंच का संचालन सोसाइटी के महासचिव जी. एल. वर्मा द्वारा किया गया इस अवसर पर सभी अतिथियों का सोसाइटी के पदाधिकारी प्रशांत मेहरडा ,महेश धावनिया, गुरु प्रसाद लेखरा ,रोडू राम सुलानिया, अर्जुन बैरवा, शिव शंकर छत्रपति, राम किशन मेहरा, डॉ आर के भीमवाल, नवरत्न नरणिया, जोगिंदर बामनिया, अंजना वर्मा, ईरा बॉस सहित सोसाइटी के अन्य पदाधिकारीयो के द्वारा साफा एवं गुलदस्ता व साल ओडाकर स्वागत किया गया।

- **बाबा साहेब अंबेडकर के महान दर्शन व सामाजिक न्याय के आदर्शों के अनुरूप भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए जनकल्याणकारी एवं विकास कार्य:- डॉ. प्रेमचंद बैरवा उपमुख्यमंत्री**
- **प्रत्येक भारतीय जागरूक नागरिक को हर कीमत पर इसकी रक्षा करनी चाहिए :- डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा एसीबी डीजीपी**

संक्षिप्त समाचार

जयपुर हेरिटेज निगम ने मनाया संविधान दिवस

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। हेरिटेज नगर निगम मुख्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि हेरिटेज निगम मुख्यालय में सभी निगम अधिकारियों ने संविधान के प्रति शपथ ली। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव, उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा मौजूद रहे।

ए.सी.बी महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के नेतृत्व और कुशल निर्देशन में प्रदेश में भ्रष्टाचारीयों पर कस करी हैं कानूनी नकेल

- **अजमेर में ए.वी.वी.एन.एल. का मीटर रीडर-ग्रेड द्वितीय 5 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 26 नवम्बर, मंगलवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर अजमेर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये नन्दलाल चौधरी मीटर रीडर-ग्रेड द्वितीय, जी.एस.एस. हरमाड़ा, कार्यालय सहायक अभियंता, किशनगढ़ ग्रामीण, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेर को परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहर-ड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की अजमेर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि कृषि भूमि पर स्थित पोल्ट्री फार्म हेतु विद्युत कनेक्शन की फाइल पास करवाने की एवज में आरोपी नन्दलाल चौधरी मीटर रीडर-ग्रेड द्वितीय द्वारा 5 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी के उप महानिरीक्षक पुलिस, जयपुर-प्रथम कालूराम रावत के सुपरवीजन में एसीबी की अजमेर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक श्री दीनदयाल एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी नन्दलाल चौधरी मीटर रीडर-ग्रेड द्वितीय को परिवादी से 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

भरतपुर में अनुजा निगम का सहायक सांख्यिकी अधिकारी 7 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 26 नवम्बर, मंगलवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर भरतपुर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये नीरज शर्मा सहायक सांख्यिकी अधिकारी, अनुजा निगम, भरतपुर को परिवादी से 7 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की भरतपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि अनुजा निगम से स्वीकृत 50 हजार रुपये के अनुदान राशि को उसके खाते में डालने की एवज में आरोपी नीरज शर्मा सहायक सांख्यिकी अधिकारी द्वारा 25 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरवीजन में एसीबी की भरतपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी नीरज शर्मा सहायक सांख्यिकी अधिकारी को परिवादी से 7 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

अंतरराष्ट्रीय गीता प्रचारक गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज का मुख्यमंत्री आवास पर हुआ अभिनंदन

शैक्षणिक संस्थानों में गीता जयंती आयोजित करने सहित अन्य विषयों पर हुआ संवाद

चमकता राजस्थान

जयपुर ।जीओ गीता परिवार एवं सर्वमंगला सनातन धर्म फाउंडेशन की ओर से मानविकी पीठ सभागार में आयोजित 'श्रीमद्भगवत गीता सनातन जय घोष' विषय पर व्याख्यान को संबोधित करने जयपुर पधारे अंतर्राष्ट्रीय संत महामंडलेश्वर गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने सर्वप्रथम जयपुर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में दर्शन आरती एवं ध्यान किया मंदिर महत्व परिवार द्वारा महाराज को भगवा दुपट्टा ओढ़ा कर गोविंद देव जी की छवि एवं प्रसाद भेंट किया गया। उल्लेखनीय है कि सनातन धर्मशास्त्र शिरोमणि श्रीमद्भगवत गीता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गीता जयंती एवं गीता महोत्सवो के माध्यम से हिंदुस्तान सहित यू एस, यूके, मॉरिशस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया व श्रीलंका समेत कई देशों में प्रचारित एवं प्रसारित करने का कार्य महाराज पिछले 50 वर्षों से कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री को महाराज ने आशीर्वाद स्वरुप श्रीमद् भागवत गीता भेंट की

जीओ गीता परिवार राजस्थान के प्रदेश सहसंयोजक एवं सर्वमंगलाय सनातन धर्म फाउंडेशन के संस्थापक योगाचार्य योगी मनीष ने बताया कि मंदिर दर्शन के पश्चात महाराज श्री की प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट हुई जिसमे गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने मुख्यमंत्री को गीता ज्ञान संस्थान कुरुक्षेत्र द्वारा प्रकाशित श्रीमद् भगवत गीता एवं बिहारी जी का प्रसाद भेंट किया। महाराज श्री ने जीओ गीता परिवार द्वारा आगामी गीता जयंती 11 दिसंबर को लगभग 5 करोड़ जन की सहभागिता के के लक्ष्य के साथ किए गए वैश्विक आवाहन ₹एक साथ, एक मिनट, गीता पाठ₹ में राजस्थान प्रदेश के स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालयो की उल्लेखनीय भागीदारी हो जिससे विद्यार्थियों के जीवन में गीता आधारित संस्कारों एवं वैल्यू एजुकेशन की समझा बड़े जिससे वह स्वयं के साथ-साथ राष्ट्र एवं विश्व के लिए कल्याणकारी कार्य हेतु प्रेरित हो ऐसी भावना मुख्यमंत्री के समक्ष रखी साथ ही महाराज ने राज्य सरकार से शिक्षा पाठ्यक्रम में गीता के महत्व को शामिल करने का प्रस्ताव रखा, दोनों ही प्रस्तावों की सराहना व समर्थन करते हुए इसमें सहयोग एवं समर्थन का आश्वासन दिया। जीओ गीता परिवार प्रतिनिधि मंडल के साथ करीब आधे घंटे हुई इस शिष्टाचार भेंट में राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप मित्तल, प्रदेश संयोजक किशन पाठक, प्रदेश सहसंयोजक योगाचार्य मनीष एवं आनंद स्वामी जी सम्मिलित रहे।

5 करोड़ गीता पाठ का लक्ष्यः

शाम को जीओ गीता परिवार एवं सर्वमंगला सनातन धर्म फाउंडेशन की ओर से राजस्थान विश्वविद्यालय मानविकी पीठ सभागार में महामंडलेश्वर गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज का ₹श्रीमद्भगवत गीता सनातन जय घोष₹ विषय पर व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गीता परिवार की राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप मित्तल, प्रदेश संयोजक किशन पाठक, कार्यक्रम संयोजक योगाचार्य योगी मनीष समन्वयक डी पी गुप्ता, एवं आनंद पोद्दार द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई महाराज श्री एवं अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के आनंद जी पोद्दार, डीपी गुप्ता जी, मनीष मालू, योगाचार्य महेंद्र, अशोक हिंदुस्तानी, श्री योगा के योगाचार्य नीरज, के के शर्मा शर्मा ₹कमलर₹, मदन मोहन पालीवाल, आर्किटेक्ट मयंक शर्मा, नितिन बघेरिया, चंद्रेश शर्मा, विपुल गर्ग, योगेश कुमावत, निखिल पालीवाल, सीताराम अग्रवाल, विजय सिंघल एवम् संतोष द्वारा किया गया।

व्याख्यान में जनप्रतिनिधियों के अलावा सनातन गीता प्रेमी संगठन, योग प्रशिक्षण केंद्रों, आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक व शिक्षण संस्थानों के पदाधिकारी व छात्र शामिल हुए। इस अवसर पर ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता जयंती से व्यक्ति के जीवन में संतुलन, उद्देश्य और जीवन दर्शन को गहरा करने का प्रयास किया जाता है, जिससे कि हर व्यक्ति अपने जीवन में एक सकारात्मक बदलाव ला सके। गीता जयंती हमें यह संदेश देती है कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है। यह समर्पण, प्रेम, भाईचारे और शांति का प्रतीक है। जीओ गीता परिवार के राष्ट्रीय महामंत्री 11 दिसंबर को दोपहर 11 बजे एक साथ एक मिनट का सामूहिक गीता पाठ करने का आ''ान करते हुए बताया की विश्व में इस बार 5 करोड़ गीता पाठ का लक्ष्य रखा गया है।

'वार्ड स्तर पर गीता एवं योग पर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाएंगे' - योगाचार्य योगी मनीष

संयोजक योगी मनीष ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहां की महाराज श्री के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में जयपुर में वार्ड स्तर पर घर-घर गीता और योग पहचाने का अभियान चलाएंगे। स्कूलों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालय में गीता के ऊपर सरकार एवं विभिन्न संगठनों के सहयोग से कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े आनंद पोद्दार को जयपुर जिले का संयोजक घोषित करते हुए उनका पुष्प हार से स्वागत किया गया। प्रदेश संयोजक किशन पाठक ने महाराज श्री सहित सभी अतिथियों एवं सम्मिलित धर्म प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन समिति को कार्यक्रम की सफलता एवं सार्थकता हेतु बधाई देते हुए कहा कि गीता जयंती को पूरे प्रदेश में कार्यक्रम किए जाएंगे।

यूपी पुलिस का सिपाही बना कानपुर का हीरो

कानपुर देहात। यूं तो अक्सर बीहड़ का नाम सुनते ही लोगो को डाकू और बदमाशो के कारनामे याद आते है लेकिन अब कानपुर देहात के बीहड़ क्षेत्र से देश की रक्षा करने के लिए जवान और समाज की सुरक्षा के लिए पुलिस के प्रति युवाओ का बढ़ता प्रेम नजर आ रहा है और ये सब कानपुर देहात का सुपर हीरो कहे जाने वाले रोहित की बदौलत मुमकिन हो रहा है। कानपुर देहात में यमुना नदी के तट पर जंगल और बीहड़ के बीच बसा गांव जहां हमेशा से डाकुओ का डेरा रहा है। यहां दस्यु सुंदरी फूलन देवी, लाला राम, मान सिंह, निर्भय जैसे खूंखार डाकू बदमाश रहा करते थे। लेकिन अब गुबार गांव की तकदीर और तश्वीर बदलती हुई नजर आ रही है । उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात सिपाही रोहित ने खुद की नौकरी लगने के बाद इस मुहिम की शुरूआत की गांव में एक लाइब्रेरी खोली जो सभी सुविधाओं से लैस है। मुफ्त में गांव और क्षेत्र के युवा पढ़ाई करने इस लाइब्रेरी में आते है। रोहित ने एक महिला अध्यापक और दो पुरुष अध्यापक भी युवाओ को पढ़ाने के लिए लगा रखे हैं। जिनकी पेमेंट रोहित स्वयं करते है ।

आधारभूत संरचना भारतीय संविधान का मुख्य गुण : धर्मेंद्र

वाराणसी। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मंगलवार को उत्साह के साथ संविधान दिवस मनाया गया। सर्किट हाउस सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा एमएलसी धर्मेंद्र राय, भाजपा के वाराणसी जिलाध्यक्ष व एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, जिलाधिकारी एस.राजलिंगम, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर एमएलसी धर्मेंद्र राय ने कहा कि भारत में आज 26 नवंबर के दिन को संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है। आज के ही दिन 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान अपनाया गया था। जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। हमारा संविधान कठोर और लचीला दोनों है। आधारभूत संरचना इसका मुख्य गुण है, जिसे बदला नहीं जा सकता। संविधान में हमारे मौलिक अधिकार और मौलिक दायित्वों भी दिए गए हैं। हमें पूर्ण जिम्मेदारी, ईमानदारी और मेहनत से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि इससे पहले इसे कानून दिवस के तौर पर मनाया जाता है और बाद में 2015 से इसे संविधान दिवस मनाया जाने लगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर, 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस मनाने की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

जयपुर कलेक्टर डॉ.जितेंद्र सोनी के निर्देश पर कोटपा एक्ट के तहत हुई महत्वपूर्ण कार्रवाई, काटे चालान

- **तंबाकू और तंबाकू उत्पादों का प्रदर्शन पड़ा भारी कोटपा एक्ट की पालना सुनिश्चित करने के दिए निर्देश**

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी .) । जिले में चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में विभिन्न विभागों की सहभागिता से चलाये जा रहे टौबेको फी यूथ कैम्पेन 2.0 के तहत मंगलवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के एनटीसीपी सेल व खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सर्किल एवं सेशन कोर्ट के पास प्रमुख स्थानों पर तंबाकू विक्रेताओं के कोटपा एक्ट में के तहत दुकानों पर प्रदर्शित तंबाकू प्रचार वाले बोर्ड व पोस्टर हटवाये गए। अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा पंकज ओझा व खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेश चेजारा, रतन सिंह गोदारा,एफ डीपीओ जयपुर प्रथमअर्पित भारद्वाज, डीपीओ जयपुर द्वितीय डॉ. योगेश और लक्ष्मीकांत ने तंबाकू विक्रेताओं पर कार्रवाई कर चालान काटे और उन्हें कोटपा एक्ट की पालना सुनिश्चित करने हेतु पाबंद किया गया। इस मौके पर 15 चालान काटकर राजकोष में 2850/-धनराशि वसूली गई। साथ ही तम्बाकू विक्रेताओं को कोटपा एक्ट की धाराओं के बारे में बताते हुए 18 वर्ष से कम वर्ष के उम्र के बच्चों को तंबाकू एवं तंबाकू उत्पाद न बेचने और सार्वजनिक स्थलों के दायरे में तंबाकू उत्पादों का प्रदर्शन न किए जाने के लिए पाबंद किया।

स्वच्छ कुभ के साथ होंगे डिजिटल कुंभ के दर्शन : योगी

- **प्रयागराज कुंभ की व्यवस्था को देखकर मोदी की प्रेरणा से यूनेस्को ने मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में कुंभ को मान्यता दी**

लखनऊ। एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को एक मीडिया समूह के संवाद कार्यक्रम में महाकुंभ-2025 को लेकर सरकार के कार्यों, प्रयासों की विस्तृत जानकारी देते यूपी में साढ़े सात वर्ष में हुए सकारात्मक बदलाव की भी चर्चा की। योगी ने कहा कि स्वच्छ कुंभ के साथ डिजिटल कुंभ के भी दर्शन होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रयागराज कुंभ की बात करें तो लगता था कि हम सबने कुंभ को गंदगी, भगदड़ व अव्यवस्था का पर्याय बना दिया था। कुंभ मेले के प्रभारी मंत्री का दायित्व भी ऐसे लोगों को दिया जाता था, जिन लोगों में श्रद्धा, परंपरा, संस्कृति व विरासत के प्रति सम्मान नहीं था लेकिन हमने विरासत के प्रति सम्मान, श्रद्धा का भाव रखा। प्रयागराज कुंभ की व्यवस्था को देखकर प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से 2019 में यूनेस्को ने मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में कुंभ को मान्यता दी है।

स्वच्छ कुंभ के साथ होंगे डिजिटल कुंभ के दर्शन

योगी ने कहा कि अब कोई भी ड्रेनेज, सीवर गंगा जी में नहीं जाएगा। श्रद्धालुओं को अविरल व निर्मल गंगा के दर्शन होंगे। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अस्थायी रूप से नए हॉस्पिटल का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है।

गवर्नमेंट हॉस्पिटल व मेडिकल कॉलेज को विशेष रूप से तैयार किया गया है। 2019 के कुंभ में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की पुख्ता व्यवस्था की गई थी। उस समय 1.14 लाख शौचालय बनाए थे। इसकी नियमित सफाई होती थी। 2025 महाकुंभ में डेढ़ लाख शौचालय बनाए जा रहे हैं। स्वच्छ कुंभ के साथ डिजिटल कुंभ के भी दर्शन होंगे। डिजिटल स्वच्छता, सुरक्षा, डिजिटल पार्किंग व कुंभ की पूरी मैपिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलेगी।

13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा प्रयागराज महाकुंभ

उन्होंने ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का स्नान होगा। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का शाही स्नान होगा। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी 3 फरवरी, 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा व 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का स्नान होगा। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक आयोजन में से एक प्रयागराज कुंभ का आयोजन इस बार 45 दिन का होगा।

45 दिन में 35-40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ-2025 को लेकर सरकार की तैयारियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही है। 2019 कुंभ में 23-24 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इस बार 45 दिन में 35-40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। वायु, रेल के साथ ही सड़क मार्ग के जरिए प्रयागराज फोर व सिक्स लेन से जुड़ सके। इसकी तैयारी भी युद्ध स्तर पर चल रही है। कुंभ के क्षेत्रफल में भी विस्तार किया गया है। 2019 कुंभ का क्षेत्रफल 3200 हेक्टेयर था, 2025 महाकुंभ का क्षेत्रफल 4000 हेक्टेयर में होगा। इसे 25 सेक्टर में विभाजित किया है। इसके अलावा पार्किंग की भी सुविधा होगी। सरकार इंतजाम कर रही है कि संगम तट तक पहुंचने के लिए डेढ़-दो किमी. से अधिक की यात्रा न करनी पड़े। सरकार ने अलग-अलग रूट पर 1850 हेक्टेयर से अधिक में पार्किंग स्थल चिह्नित किया है। यह स्थल संगम तट से दो से पांच किमी. के दायरे में होंगे। वहां से इलेक्ट्रॉनिक, परिवहन निगम के 7000 बस से कुंभ स्थल तक लाने की व्यवस्था होगी।

रतिया में पैसों के विवाद के चलते एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

फतेहाबाद। एजेंसी

पैसों को लेकर चल रहे विवाद में रतिया में एक व्यक्ति पर हमला कर उसकी हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस बारे सूचना मिलते ही थाना शहर रतिया प्रभारी रणजीत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रतिया के नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है।

इस मामले में पुलिस ने मृतक के लडके के बयान पर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। रतिया के नागरिक अस्पताल में मौजूद गांव नथवान निवासी गुरप्रीत सिंह ने कहा है कि उसके पिता गुरमेल सिंह निजी स्कूल में ड्राईवर के तौर पर काम करते थे। उसके पिता ने रतिया निवासी नारायण सिंह से कुछ रुपये उधार लिए हुए थे, जिसके बदले में उसकी माता के नाम 15 मरले का मकान व प्लाट कानूनी तौर पर रहन किया हुआ था, जिसमें नारायण सिंह को किराये का कोई विवरण नहीं था। मंगलवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे नारायण सिंह गांव नथवान स्थित उनके घर आया। उस समय उसकी माता मनजीत कौर घर पर अकेली थी। नारायण सिंह ने उसकी माता से किराया मांगने को लेकर जबरदस्ती करने लगा और उसकी माता के साथ गाली-गलौच कर धमकियां दी। इस पर उसकी माता ने गुरमेल सिंह को फोन कर घर आने को कहा।

संक्षिप्त खबरें

जॉर्जियाई जूडो लीजेंड लाशा शवदातुशविली एथलीटों कोचों के लिए करेंगे मास्टरक्लास का आयोजन

नई दिल्ली। जॉर्जियाई जूडो लीजेंड लाशा शवदातुशविली 25 से 29 नवंबर तक कर्नाटक के बेल्लारी में स्थित आईआईएस मुख्यालय में एथलीटों और कोचों के लिए पांच दिवसीय जूडो मास्टरक्लास का आयोजन करेंगे। उक्त घोषणा इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) ने की। लंदन 2012 खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली लाशा ने टोक्यो 2020 खेलों में रजत पदक जीतने से पहले रियो 2016 में कांस्य पदक जीता। उनके नाम पांच विश्व चैम्पियनशिप पदक भी है- जिनमें से दो स्वर्ण पदक हैं। भारत में होने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लाशा ने कहा मैं भारत आना और जूडोकाओं और कोचों के साथ अपना ज्ञान साझा करना एक सौभाग्य मानता हूं, जो मेरा मानना है कि निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेंगे और प्रदर्शन करेंगे। मुझे पता है कि इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) पिछले कुछ वर्षों से भारतीय जूडो के लिए बहुत कुछ कर रहा है।

राज्यपाल ने नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

लखनऊ। खेलेंगे तो खिलेंगे। के स्लोगन के साथ नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता की शुरूआत हो गयी। इस प्रतियोगिता में 3960 विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। 30 नवम्बर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। उन्होंने इस अवसर पर खिलााड़ियों को आशीर्वाद दिया। वहीं गुरु गोविंद सिंह स्पोर्टस कालेज में शुरू हुई इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों में खूब उत्साह दिखा। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि पढ़ाई के साथ ही खेल भी बहुत जरूरी है। आज उप्र सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं शुरू की हैं, जिससे बच्चों में खेल के प्रति रूचि जागृत हो। गांव-गांव में खेल के आयोजन किये जा रहे हैं। इसके प्रति युवाओं में रूझान बढ़ा है। पिछले वर्ष यह खेल का आयोजन अंडर-14 था, जिसे बढ़ाकर इस वर्ष अंडर-17 कर दिया गया है। इसमें प्रत्येक यूनिट में 42 बालक और 42 बालिका पर दो-दो कोच और मैनेजर हैं। इसके साथ ही एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया द्वारा नामित 20 विशेषज्ञ आये हुए हैं।

वैभव बने आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी, 13 साल में हुआ पदार्पण

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 की नीलामी प्रक्रिया में दूसरे दिन 13 साल के वैभव सूर्यवंशी नाम का सितारा अचानक सबके सामने आ गया। जिसे राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। इस खिलाड़ी का बेस प्राइस 30 लाख रुपये था और वह अपने बेस प्राइस से लगभग चार गुना ज्यादा दाम पर राजस्थान टीम के साथ जुड़ा। इसी के साथ वो आईपीएल नीलामी इतिहास में बिकने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गया। बिहार के वैभव ने सिर्फ 13 साल और 242 दिनों की उम्र में आईपीएल नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में इतिहास रच दिया था। उन्हें अब टीम भी मिल गई है। आईपीएल नीलामी में कीर्तिमान बनाने से पहले वैभव घरेलू क्रिकेट में भी चर्चे में रह चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बहुत कम उम्र में बल्ले का जौहर दिखाया है। जनवरी 2024 में बिहार के लिए प्रथम श्रेणी में डेब्यू करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने सितंबर में भारत व19 बनाम ऑस्ट्रेलिया व19 यूथ टेस्ट सीरीज में 58 गेंदों में शतक जड़कर सबका ध्यान खींचा था।

जूनियर एशिया कप की शुरुआत 27 नवंबर से चार दिसंबर 2024 तक

भारतीय टीम आज करेगी अभियान की शुरुआत

- कप्तान अमीर अली ने कहा हम अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्साहित और पूरी तरह से तैयार हैं

- उप कप्तान रोहित ने कहा सुल्तान जोहोर कप 2024 में हमारे तीसरे स्थान पर रहने से हमें काफी गति और आत्मविश्वास मिला है

मस्कट। एजेंसी

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम बुधवार को थाईलैंड के खिलाफ अपने जूनियर एशिया कप 2024 अभियान की शुरुआत करेगी। आज से शुरू होने वाले और 4 दिसंबर 2024 तक चलने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत को कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और थाईलैंड के साथ पूल ए में रखा गया है। इस प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं, पूल बी में शेष पांच टीमें पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, ओमान और चीन हैं। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार यह टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। पिछले साल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी आमिर अली और रोहित अब क्रमशः कप्तान और उप-कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करेंगे। बुधवार को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत के बाद, भारत 28 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच खेलेगा। 30 नवंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबला तय है और कोरिया के खिलाफ उनका आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 1 दिसंबर को होना है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को 3 दिसंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित करनी होगी।

कप्तान अमीर अली ने कहा हम पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्साहित और पूरी तरह से तैयार हैं। हमारी टीम कड़ी मेहनत कर रही है, और हमें अच्छा प्रदर्शन करने की अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। पूल में थाईलैंड, जापान और कोरिया जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं और शीर्ष स्थान हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं, हम अपने खिताब की रक्षा करना चाहते हैं और अपने देश को एक बार फिर गौरवान्वित करना चाहते हैं।

उप कप्तान रोहित ने कहा सुल्तान जोहोर कप 2024 में हमारे तीसरे स्थान पर रहने से हमें काफी गति और आत्मविश्वास मिला है। जैसे ही हम पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं, हमारा ध्यान हमारे प्रदर्शन और सेमी-फाइनल में स्थान सुरक्षित करने पर है, हम एक शानदार प्रदर्शन करने और अपने देश को फिर से गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सुल्तान जोहोर कप 2024 में तीसरे स्थान पर रहने के बाद, भारत अपनी लय बरकरार रखना और हेड कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में ओमान में पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेगा।

पीकेएल-11: अंतिम समय में मंजीत के आलराउंड प्रदर्शन से यू मुंबा ने बेंगलुरू बुल्स को हराया

नोएडा। एजेंसी

नोएडा इंडोर स्टेडियम में सोमवार रात रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 76वें मैच में अंतिम 10 मिनट तक बेंगलुरू बुल्स जीत की स्थिति में दिख रहे थे लेकिन फिर मंजीत ने डिफेंस और फिर रेड में अंक लेकर मैच की तस्वीर बदल दी और फंसी हुई बाजी यू मुंबा के नाम कर दी।

मुंबा ने यह मैच 34-32 के स्कोर से जीता और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। बुल्स की तारीफ करनी होगी क्योंकि 30 मिनट तक 11 अंकों से पिछड़ रही इस टीम ने 36वें मिनट तक जाते-जाते स्कोर बराबर कर लिया और फिर लीड भी ले ली लेकिन किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया और अंतिम रेड पर डिफेंस की गलती के कारण मैच उसके हाथ से निकल गया। इस मैच को अगर आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो दोनों टीमें रेडिंग में 16-16 और डिफेंस में 12-12 अंक के साथ बराबरी पर रहीं। मुंबा ने अच्छी शुरूआत करते हुए शुरूआती तीन मिनट में ही 5-1 की लीड के साथ बुल्स को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। सुशील ने हालांकि रिंकू को आउट कर उसे इस स्थिति से निकाला लेकिन अजीत ने नितिन को आउट कर फिर वही स्थिति बहाल कर दी। बुल्स ने हालांकि साहस दिखाते हुए न सिर्फ खुद को फिर इस स्थिति से निकाल लिया बल्कि स्कोर भी 5-7 कर दिया।

शुरूआती 10 मिनट में मुंबा 8-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद रिंकू ने सुशील को आउट कर मुंबा को 3 अंक की लीड दिला दी। 10-6 के स्कोर पर बुल्स के लिए फिर से सुपर टैकल आन था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकी और आलआउट होकर 6-15 से पीछे हो गई।

इसके बाद हालांकि दोनों टीमों को तीन-तीन अंक मिले और फासला 9 का बना रहा। बुल्स ने हालांकि हाफटाइम से ठीक पहले स्टुअर्ट सन्नी को लपककर 10-18 के स्कोर के साथ पाला बदला। हाफटाइम के ठीक बाद सोमवीर ने परदीप का शिकार कर लिया और फिर मंजीत ने सनी तथा नवीन को आउट कर स्कोर 21-10 कर दिया। बुल्स ने हालांकि इसके बाद लगातार चार अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। इस बीच परदीप रिवाइव हुए और फिर से लपके गए।

अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता : पंत

नई दिल्ली। एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा-नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) में शामिल होने के बाद, ऋषभ पंत ने अपनी पूर्व टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक भावनात्मक विदाई नोट लिखा। पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ स्थित फ्रैंचाइजी ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली के लिए 111 मैचों में, पंत ने 148.93 की औसत से 3,284 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 128* है। वह फ्रैंचाइजी के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनकी कप्तानी में, दिल्ली की टीम 2021 में प्लेऑफ में पहुँची, लेकिन 2022 और 2024 में लीग चरणों से आगे नहीं बढ़ सकी। पंत ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता।

पंत ने लिखा, ₹अलविदा कभी आसान नहीं होती। दिल्ली कैपिटल्स के साथ मेरा सफर किसी अद्भुद अनुभव से कम नहीं रहा। मैदान पर रोमांच से लेकर मैदान के बाहर के पलों तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ा हूं, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं यहां एक किशोर के रूप में आया था और पिछले नौ वर्षों में साथ-साथ बड़ा हुआ। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ उनके सफर को सार्थक बनाया है।

उन्होंने कहा इस सफर को सार्थक बनाने वाले आप प्रशंसक हैं। आपने मुझे गले लगाया, मेरा उत्साहवर्धन किया और मेरे जीवन के सबसे कठिन दौर में मेरे साथ खड़े रहे। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा कि वह जब भी मैदान पर उतरेंगे, प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहेंगे। उन्होंने आगे कहा जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मैं आपके प्यार और समर्थन को अपने दिल में रखता हूं। जब भी मैं मैदान पर उतरूंगा, मैं आपका मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहूंगा। मेरा परिवार बनने और इस सफर को इतना खास बनाने के लिए आपका शुक्रिया। पंत के बाद श्रेयस अय्यर नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। अय्यर को पंजाब ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण विनिसियस जूनियर तीन सप्ताह तक मैदान से बाहर

मैड्रिड। एजेंसी

रियल मैड्रिड अपने ब्राजीलियाई विंगर, विनीसियस जूनियर के बिना बुधवार को चैंपियंस लीग के महत्वपूर्ण मैच में लिवरपूल के खिलाफ खेलेगा, क्योंकि सोमवार को पुष्टि हुई कि रविवार को लेगानेस के खिलाफ 3-0 की जीत के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी।

क्लब ने अपने वेबसाइट पर एक बयान में कहा, ₹रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा हमारे खिलाड़ी विनी जूनियर पर किए गए परीक्षणों के बाद, उनके बाएं पैर में बाइसेप्स फेमोरिस की चोट का पता चला है। उनकी प्रगति पर नजर रखी जाएगी, वे संभवतः लगभग तीन सप्ताह तक खेल से बाहर रहेंगे। विनीसियस अब ला लीगा में गेटाफे, एथलेटिक क्लब बिलबाओ, गिरोना और रेयो वैलेकानो के खिलाफ और चैंपियंस लीग में अटलांटा के खिलाफ मैच नहीं खेल पाएंगे। रियल मैड्रिड के लिए अपने पिछले मैच में ओसासुना के खिलाफ हैट्रिक बनाने वाले ब्राजीलियाई खिलाड़ी का बाहर होना लिवरपूल मैच से पहले कोच कार्लो एंसेलोटी के लिए एक बड़ा झटका है।

युगांडा ने अफ्रीका सीनियर नेशनल हैंडबॉल कप के लिए भेजी टीम

कंपाला। युगांडा की महिला टीम 45 साल बाद अफ्रीका सीनियर नेशंस हैंडबॉल कप में वापसी करने के लिए तैयार है। 12 टीमों वाला यह टूर्नामेंट 27 नवंबर से 7 दिसंबर तक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में होगा। युगांडा की महिला राष्ट्रीय हैंडबॉल टीम की कप्तान शकीरा बाको ने सोमवार को डीआर कांगो के लिए रवाना होने से पहले शिन्हुआ से कहा कि उन्हें बड़े मंच पर अनुभव की कमी के बावजूद अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। बाको ने कहा हम जानते हैं कि प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी होगी क्योंकि हमारे पास अन्य टीमों की तरह अनुभव नहीं है, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की है और जानते हैं कि क्या उम्मीद करनी है। हेड कोच जिमी रेम्मी ओरोटिन ने इस बात पर जोर दिया कि 2023 में घाना में होने वाले अफ्रीकी खेलों के बाद, खिलाड़ी अधिक प्रेरित हैं और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। घाना के अकरा में 13वें अफ्रीकी खेलों में पांचवें स्थान पर रहने के बाद युगांडा की टीम ने अफ्रीका सीनियर नेशंस कप के लिए क्वालीफाई किया। युगांडा के खेल शासी निकाय, नेशनल काउंसिल ऑफ स्पोर्ट्स के महासचिव पैट्रिक ओग्वेल ने अपनी संतुष्टि व्यक्त की कि 1979 के बाद पहली बार युगांडा की टीम अफ्रीका सीनियर नेशंस कप में भाग लेगी।

व्यापार

भारत ने रियाद डिजाइन कानून संधि के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत ने रियाद डिजाइन कानून संधि (डीएलटी) के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं, जो समावेशी विकास को बढ़ावा देने और अपने बौद्धिक संपदा (आईपी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के सदस्य देशों ने करीब दो दशकों के गहन विचार-विमर्श के बाद ऐतिहासिक डिजाइन कानून संधि को अपनाया है। इस संधि का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर औद्योगिक डिजाइन संरक्षण प्रक्रियाओं में सामंजस्य स्थापित करना है, जिससे लघु और मध्यम उद्यमों सहित सभी उद्योगों के हितधारकों को लाभ पहुंचे।

मंत्रालय ने कहा कि रियाद डिजाइन कानून संधि के निर्णायक अधिनियम पर हस्ताक्षर करके भारत अपनी प्रगति को आगे बढ़ाते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा देने तथा बौद्धिक संपदा संरक्षण तक न्यायसंगत पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस संधि का उद्देश्य औद्योगिक डिजाइन संरक्षण के लिए प्रक्रियात्मक प्रारूप को सुसंगत बनाते हुए कई अधिकार क्षेत्रों में पंजीकरण प्रक्रियाओं की दक्षता और पहुंच में सुधार करना है।

मंत्रालय ने कहा कि डीएलटी औद्योगिक डिजाइन पंजीकरण के लिए एक मानकीकृत ढांचा पेश करता है, जिससे प्रक्रियागत जटिलताओं और आवेदकों के लिए प्रशासनिक बोझ में उल्लेखनीय कमी आती है। विभिन्न अधिकार क्षेत्रों में पंजीकरण आवश्यकताओं को सरेखित करके, संधि का उद्देश्य छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों, स्टार्टअप और स्वतंत्र डिजाइनरों को सशक्त बनाते हुए नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस के आंकड़े आज जाने वाले हैं। इसी तरह नए घरों की बिक्री के आंकड़े भी जारी होने वाले हैं। इन दोनों आंकड़ों में बढ़ोतरी होने की संभावना के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में तेजी का रुख बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,987.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,054.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 44,721.81 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

शेयर बाजार पर मुनाफा वसूली का दबाव सेंसेक्स और निफ्टी ने गंवाई बढ़त

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार के दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए गिरकर लाल निशान में भी पहुंचे हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू करते जिससे बाजार की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयर 2.43 प्रतिशत से लेकर 1.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर बजाज ऑटो, अल्ट्राटेक सीमेंट, ओएनजीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर 1.47 प्रतिशत से लेकर 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,261 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,576 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 685 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 20 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

सोने की कीमत में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत में 990 रुपये से लेकर 1,080 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये से लेकर 78,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये से लेकर 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

संविधान की 75 वीं वर्षगांठ पर निकली 'संविधान पदयात्रा'

भारतीय संविधान हमारी राष्ट्रीय पहचान एवं विविधता में एकता का प्रतीकः कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर। युवा मामले एवं खेल मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि भारतीय संविधान ने हमें एक ऐसी राष्ट्रीय पहचान दी है, जो विविधता में एकता का प्रतीक है। हमारी संस्कृति, भाषा, धर्म और क्षेत्र भले ही अलग-अलग हों, लेकिन हमारा संविधान हमें एक सूत्र में बांधता है। उन्होने कहा कि संविधान एक जीवित दस्तावेज है, जो हमें समानता, न्याय और एकता का संदेश देता है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि इसे ओर मजबूत बनाएं और अपने जीवन में इसके सिद्धांतों का पालन करें।

कर्नल राठौड़ मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर जयपुर के चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित संविधान पदयात्रा में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होने संविधान के महत्व, मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों को समझकर भारतवर्ष को एक सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने मे अपना महती योगदान देने का आह्वान किया।

● कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया संविधान पदयात्रा का नेतृत्व

ओलम्पिक में भारत के पहले व्यक्तिगत पदक विजेता निशानेबाज़ कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने तिरंगा झण्डा लेकर पुलिस, निजी विध्यालयों के बैंड की अगुवाई मे पदयात्रा का नेतृत्व किया इससे पूर्व उन्होने प्रतिभागियों को भारतीय संविधान की उद्देशिका का वाचन भी करवाया

● संविधान सभा के योगदान को किया याद

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने संविधान सभा के सदस्यों के अथक परिश्रम को याद करते हुये कहा कि संविधान सभा ने विभिन्न देशों के संविधान और उसकी विचारधाराओं को समेटते हुए, एक ऐसा संविधान तैयार किया, जो सदियों से चली आ रही हमारी सभ्यता और संस्कृति की गरिमा को बरकरार रखता है। यह संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है, जो हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता का वादा करता है। इससे पूर्व उन्होने संविधान निर्माता डॉ॰ बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प भी अर्पित किए।

● भारत माता की जय से गूंज उठा चित्रकूट स्टेडियम

कार्यक्रम मे वंदे मातरम और भारत माता की जय से चित्रकूट स्टेडियम गूंज उठा ककार्यक्रम में युवाओं मे जोश और देशभक्ति की भावना नजर आई। इसके साथ ही स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवकों ने भी कालेबेलिया नृत्य से सभी का मन मोहा। कार्यक्रम मे संविधान की थीम पर लगाए गए सेल्फ़ी बूथ भी युवाओं में आकर्षण का केंद्र रहे।

युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव एवं राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन ने कर्नल राठौड़ को भारत के संविधान की पुस्तक भेंट कर सभी से संविधान में उल्लेखित मौलिक कर्तव्यों को जीवन मे अंगीकार करने का आह्वान किया। डॉ. नीरज के. पवन युवा महापुरषों की वेशभूषा में दिखे। कार्यक्रम में युवा भारत माता, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरूषों की वेशभूषा में नजर आयें। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। इसके बाद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सभी प्रतिभागियों के फ़ोटोज़ भी खींचवाये। इस अवसर पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव श्री राजेंद्र सिंह सिसोदिया, नगर निगम की ज़ोनल कमिश्नर मनीषा यादव, वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा, राजस्थान युवा बोर्ड के सदस्य सचिव श्री कैलाश चंद पहाड़िया, राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक एसपी भटनागर, नेहरू युवा केंद्र संगठन के क्षेत्रीय निदेशक भुवनेश जैन, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक श्री अरुण जोशी, खेल प्रबंधक श्री रणविजय सिंह, अनिरुद्ध जगधारी, कोमल चौधरी, जनसंपर्क अधिकारी तेजराज सिंह, एएओ अनिल जैन नगर निगम, शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ विभिन्न विधायलयों के विध्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, भारत स्काउट एंड गाइड, हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवक, पुलिस, आरएसी, होमगार्ड के जवान, सामाजिक संगठन से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान की जिला बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर। जिले के अग्रणी पत्रकार संगठन भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान (बीजेएसएस) की जिला बैठक आज शिष्य ग्लोबल स्कूल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष अनुराग मुद्गल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव गोपेश राज पचौरी थे, जिन्होंने जिला अध्यक्ष और उनकी पूरी टीम को सफल पत्रकार सम्मेलन के आयोजन के लिए बधाई दी। इस दौरान नए सदस्यों को संगठन की आईडी भी प्रदान की गई। बैठक में देवली उनियारा में पत्रकारों के साथ हुए दुर्व्यवहार और मारपीट के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया गया। यह ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से भेजा जाएगा। संगठन के सदस्यों के लिए दिसंबर माह में भ्रमण कार्यक्रम भी तय किया गया, जिसमें जिला अध्यक्ष अनुराग मुद्गल और सुनील जगरिया को संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में पत्रकार संगठन के सदस्य दुर्गा शरण दुबे, रनीश तिवारी, भानु शर्मा, हरवीर शर्मा, रिंकू उपाध्याय, राकेश शर्मा, रमाकांत शर्मा, सत्य प्रकाश शर्मा, विजय सिंह लोधा, सुनील जगरिया सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर हुआ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर जिले में संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आव्हाद निवृत्ती सोमनाथ ने बताया कि संविधान दिवस पर राजकीय विद्यालयों में संविधान के उद्देश्यों, संविधान का इतिहास, संविधान दिवस का महत्व, भारतीय संविधान की विशेषताएं, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य आदि के विषय में विद्यार्थियों के साथ वाद- विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर एवं नुक्कड नाटकों आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने भारतीय संविधान को सबसे बहुमूल्य धरोहर बताया। उन्होंने संविधान में प्रदत्त अधिकारों, कर्तव्यों, शासन पद्धति को लोकतंत्र की बुनियाद कहा। संविधान दिवस के अवसर पर मौलिक कर्तव्यों एवं प्रस्तावना का वाचन किया गया। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, सहायिका व जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभाएं आयोजित की जाकर ग्रामीणों के साथ संविधान दिवस मनाया गया, साथ ही अमृत सरोवर स्थल पर भी ग्रामीणों के साथ संविधान दिवस मनाया गया। इस असवर पर संविधान दिवस पर शपथ समारोह एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाकर संविधान दिवस मनाया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से की मुलाक़ात

दिया कुमारी ने की केंद्र से 900 नये आंगनबाड़ी भवनों की मांग

उदयपुर में तैयार होगा महिला एवं बाल विकास का रोडमैप, जनवरी में होगा राष्ट्रीय चिंतन शिविर

चमकता राजस्थान

जयपुर। देश के सभी राज्यों के महिला एवं बाल विकास विभाग का एक राष्ट्रीय चिंतन शिविर जनवरी माह में उदयपुर में आयोजित किया जायेगा। इस चिंतन शिविर में केन्द्रीय मंत्री समेत सभी राज्यों के महिला एवं बाल विकास मंत्री भाग लेंगे तथा आँगनबाड़ी केन्द्रो, पोषाहार तथा महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर और राज्यों की आवश्यकतानुसार एक रोडमैप तैयार करेंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात की और विभाग से संबंधित सभी मुद्दो पर विस्तार से चर्चा की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से माँग की है कि विभाग की विभिन्न योजनाओं में केन्द्र से मिलने वाले अनुदान की राशि को एकमुश्त जारी किया जाये, जिससे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उनका मानदेय हर माह प्राप्त हो सके।

उपमुख्यमंत्री ने अपने पत्र में माँग की कि पूरक पोषाहार दरों को बढ़ाया जाये। उन्होंने कहा कि पूरक पोषाहार की दरों का 2017 में पुनर्निधारण किया गया था, जिसके युक्तियुक्त पुनर्निधारण की आवश्यकता है।

दिया कुमारी ने राज्य में नये 900 आंगनबाड़ी भवनों की माँग करते हुए कहा कि ये प्रस्ताव केंद्र को भिजवा दिये गये है, जिन पर कार्यवाही अपेक्षित है। उन्होंने केन्द्र सरकार से आंगनवाड़ी भवनों के हर पाँच साल में जारी होने वाली 3000 रुपये की मरम्मत राशि को भी जरुरत के अनुसार बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत की लागत पचास हज़ार से एक लाख तक हो सकती है।

उपमुख्यमंत्री ने अपने पत्र में वर्ष 2023-24 के 34.38 करोड़ के केन्द्रांश तथा किशोरी बाल योजना के अन्तर्गत तीसरी त्रैमासिक अनुदान की किस्त जारी करने और 340 आँगनबाड़ी केन्द्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित करने की स्वीकृति जारी करने की भी मांग की।

दिया कुमारी ने केन्द्रीय मंत्री से माँग करते हुए कहा कि राज्य को एकमुश्त राशि मिलने से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हर महीने मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

राजकीय उप जिला चिकित्सालय में विधायक जगत सिंह ने आरएमआरएस की ली बैठक

- अस्पताल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की गहनता से की चर्चा
- सीबीसी मशीन व सोनोग्राफी मशीन एवं आरो प्लांट लगाने की की घोषणा

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। राजकीय उप जिला चिकित्सालय में विधायक जगत सिंह की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति (आरएमआरएस) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अस्पताल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर गहन चर्चा हुई। विधायक ने अस्पताल में नवीन भवन के निर्माण और वर्तमान भवन की मरम्मत पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने सीबीसी मशीन, सोनोग्राफी मशीन और आरओ प्लांट लगाने की घोषणा की।

विधायक जगत सिंह ने अस्पताल प्रशासन से डॉक्टरों और स्टाफ की कमी, उपकरणों की अनुपलब्धता, और अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने इन कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। बैठक के बाद विधायक ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई कमियों की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें जल्द सुधार के निर्देश दिए। इस मौके पर पीएमओ डा० पवन गुप्ता,मेल नर्स फर्स्ट नरेंद्र उपाध्याय,नेम सिंह,मेल नर्स प्रहलाद लवानियां, लैब टेक्नीशियन कमल राज सहित समस्त अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों के उत्थान के लिए जन-अधिकार मंच के द्वारा : जिला कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर। जिले के बाडी उपखण्ड में निवास कर रहे। दो समुदाय के लोगों ने जन-अधिकार मंच, बाड़ी के द्वारा विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए राज्य सरकार से कई अहम मांगें की हैं। यह समुदाय सदियों से उपेक्षित रहा है। और उनके पास न तो रहने के लिए घर है। और न ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिल पाया है। मंच ने यह भी उल्लेख किया कि हमारे संविधान ने सभी नागरिकों को सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार दिया है, और अब राज्य सरकार द्वारा इन समुदायों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना 2024 के तहत इन समुदायों को आवास प्रदान किया जाएगा, जो इनके सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।जन-अधिकार मंच ने निम्नलिखित मांगें की हैः

*प्रत्येक परिवार को 300 वर्ग मीटर का पट्टा/प्लॉट दिया जाए जैसा कि राज्य सरकार की मंशा है। मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना 2024 के तहत आवास प्रदान किए जाएं। प्रत्येक परिवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत निःशुल्क गेहूं दिया जाए।

राशन कार्ड, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र आदि के अभाव में कागजात बनवाने के लिए शिविर आयोजित किए जाएं।

स्कूलों में भेदभाव और दूरियों के कारण शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए डेरों में स्कूल / आधिकारिक केंद्र खोले जाएं।

*समाज के शमसान घाट के लिए भूमि आवंटित की जाए, ताकि सम्मानपूर्वक दफनाने का स्थान सुनिश्चित किया जा सके।

समुदाय भवन की आवश्यकता है, जिससे सामाजिक कार्यक्रमों में कोई परेशानी न हो।

जॉब कार्ड धारक परिवारों को रोजगार दिया जाए और जो परिवार रोजगार के लिए पात्र हैं, उनके जॉब कार्ड बनाए जाएं। *मंच ने यह भी स्पष्ट किया कि गडरपुरा (नाथ/सपेरा अड्डा), ग्राम पंचायत सनौरा में कुल 24 परिवारों की कुल आबादी 116 है/

और बरगी अड्डा(जमूरा) ग्राम पंचायत नकसौदा में कुल 39 परिवार रहते हैं। आबादी 176 है। इन सभी मांगों का तत्काल समाधान किए जाने की आवश्यकता है, ताकि ये समुदाय भी विकास की मुख्यधारा में शामिल हो सके। इसी बीच जिला कलेक्टर धौलपुर श्रीनिधि बीटी ने /एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला धौलपुर ए एन सोमनाथ ने ज्ञापन लेकर उनको आश्वासन दिया है। कि हम आपकी मांगों को जल्दी पूरा करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929